राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

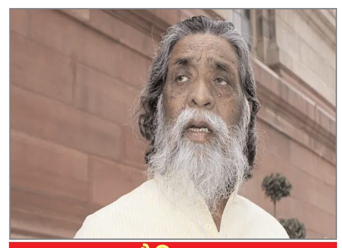

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें........
9511151254

@swatantraprabhatmedia | @swatantramedia | RNI.No. UHIN/2012/43078 (epaper.swatantraprabhat.com) | @SwatantraPrabhatonline | news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापुर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

सीतापुर , शुक्रवार , 17 अक्टूबर 2025
वर्ष 14, अंक 185, पृष्ट 04, मूल्यः 01 रुपया
www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

यूपी के ये तीन डॉक्टर होंगे बर्खास्त, उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कार्रवाई के दिए निर्देश..03

बंधकों की लाश पर खड़े किए हाथ, क्या बोला हमास, नेतन्याहू की चेतावनी..04

रूस से तेल नहीं खरीदेगा भारत- ट्रंप के दावे पर राहुल गांधी का हमला- पीएम मोदी डरे हुए हैं

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली- अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार (15 अक्टूबर) को कहा कि भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें बताया कि भारत अब रूस से तेल खरीदना बंद कर देगा. ट्रंप ने इसे मॉस्को को आर्थिक रूप से अलग-थलग करने के प्रयासों में 'बड़ा कदम' बताया. ट्रंप ने व्हाइट हाउस में संवाददाताओं से कहा, 'मुझे यह अच्छा नहीं लगा कि भारत रूस से तेल खरीद रहा था, और उन्होंने आज मुझसे आश्वासन दिया कि अब वे रूस से तेल नहीं खरीदेंगे. यह एक बड़ा कदम है. अब हम चीन से भी यही करवाने की कोशिश करेंगे.' यदि भारत रूस से तेल खरीदना बंद करता है, तो यह वैश्विक ऊर्जा कूटनीति में एक संभावित बदलाव को दर्शाएगा, क्योंकि अमेरिका यूक्रेन युद्ध के बीच मॉस्को की तेल आय को रोकने के प्रयास तेज कर रहा है।

यह मॉस्को के प्रमुख ऊर्जा ग्राहकों में से एक द्वारा किए जाने वाला बड़ा बदलाव होगा और अन्य देशों के लिए भी रूस से तेल आयात के फैसले पर असर डाल सकता है. ट्रंप इस कदम से द्विपक्षीय संबंधों का इस्तेमाल करके इकोनॉमिक आइसोलेशन लागू करना चाहते हैं. ट्रंप ने संवाददाताओं से कहा कि भारत तुरंत ही शिपमेंट बंद नहीं कर सकता और इसे 'थोड़ा समय लगेगा, लेकिन वह प्रक्रिया जल्द ही पूरी हो जाएगी।'

ट्रंप के बयान से भारत में खलबली

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने गुरुवार (15 अक्टूबर) को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 'ट्रंप से डरे हुए हैं.' अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बयान पर प्रतिक्रिया देते राहुल गांधी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने ट्रंप की अनदेखी के बावजूद (टैरिफ और भारत-पाक संघर्षविराम दावों पर) उन्हें बधाई संदेश भेजते रहे.राहुल गांधी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने 'वित्त मंत्री की अमेरिका यात्रा रद्द कर दी' और 'ऑपरेशन सिंदूर पर उनसे असहमति नहीं जताई.' राहुल गांधी के सोशल मीडिया पोस्ट को शेयर करते हुए वरिष्ठ अधिवक्ता प्रशांत भूषण ने एक्स पर लिखा है, 'मोदी ट्रंप से क्यों डरते हैं? क्या यह सिर्फ अडानी को बचाने के लिए है, या ट्रंप के पास मोदी का कोई गुप्त रहस्य है?'

क्या प्रधानमंत्री मोदी ने ट्रंप को बधाई दी?

हाल में डोनाल्ड ट्रंप के गाजा शांति प्रयासों की तारीफ़ कहते हुए पीएम मोदी ने एक्स पर कई संदेश पोस्ट किए. सबसे पहले, जब ट्रंप ने 20 बिंदु वाला अपना शांति योजना प्रस्तावित किया; फिर, जब हमास ने आंशिक रूप से इस संघर्ष विराम योजना को स्वीकार किया; और फिर, जब पहले बंधक मुक्त किए गए. मोदी ने ट्रंप को कॉल भी किया और 'अपने मित्र को गाजा शांति योजना की सफलता' के लिए बधाई दी. इसके अलावा, पीएम मोदी ने अभी तक पहलगाम आतंकवादी हमले और ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत-पाकिस्तान के बीच शांति स्थापित करने के ट्रंप के दावे का सार्वजनिक खंडन उनका नाम लेकर नहीं किया है।

विदेश मंत्रालय ने क्या कहा?

वॉशिंगटन में भारतीय दूतावास ने तुरंत यह स्पष्ट नहीं किया कि क्या पीएम मोदी ने वास्तव में ट्रंप को ऐसा आश्वासन दिया. लेकिन मीडिया में ट्रंप के बयान की चर्चा के बाद विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने एक बयान जारी किया है।

विदेश मंत्रालय के आधिकारिक प्रवक्ता रणधीर जयसवाल ने कहा

अमेरिका का जिक्र करते हुए बयान में कहा गया है, 'जहां तक अमेरिका का संबंध है, हम कई वर्षों से अपनी ऊर्जा खरीद को बढ़ाने का प्रयास कर रहे हैं. यह पिछले दशक में लगातार आगे बढ़ा है. वर्तमान सरकार ने भारत के साथ ऊर्जा सहयोग को गहरा करने में रुचि दिखाई है. चर्चा जारी है।'

रूसी राजदूत ने क्या कहा?

रूसी राजदूत डेनिस अलीपॉव ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दावे पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, 'भारत और अमेरिका अपना-अपना फैसला लेने के लिए स्वतंत्र हैं, और हम इन मामलों में हस्तक्षेप नहीं करतेज हमारी तेल आपूर्ति भारतीय अर्थव्यवस्था और भारतीय जनता के कल्याण के लिए बहुत लाभकारी है।'

इजरायल का गुस्सा आसमान पर! कहा-बेइज्जती की हद पार...धोखेबाज है हमास, अब धरती से मिटा देंगे नामोनिशान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

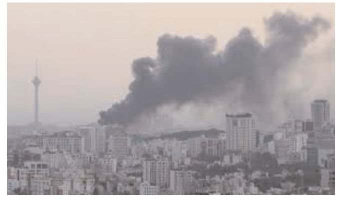

इजरायल में गाजा की ओर जारी गतिरोध और बंधकों के मुद्दे ने एक बार फिर तेज मोड़ ले लिया है। सेना के चीफ ऑफ स्टाफ लेफ्टिनेंट जनरल इयाल जमीर ने स्पष्ट कहा है कि "जब तक सभी बंधकों को वापस नहीं लाया जाता, सेना को चैन नहीं लगेगा।" उनके गुस्से की वजह हमास द्वारा हाल ही में की गई वह हरकत है जिसमें उसने इजरायली बंधक के शव की जगह गलती (या धोखा) करके एक फिलिस्तीनी व्यक्ति का शव सौंप दिया। जमीर ने कहा कि बंधकों की वापसी इजरायली सेना का नैतिक, राष्ट्रीय और यहूदी कर्तव्य है। उन्होंने बताया कि राजनीतिक नेतृत्व के साथ मिलकर सेना सभी समझौतों को लागू करने पर अडिग रहेगी, लेकिन तब तक आराम नहीं किया जाएगा जब तक हर एक बंधक वापस न आ जाए।हमास ने अब तक कम-से-कम 21 मृत बंधकों के शव अपने कब्जे में रखे हुए हैं; पिछले दो दिनों में उसने केवल सात शव लौटा दिए। सोमवार को उसने 20 जीवित बंधकों को रिहा कर दिया था पर मृत बंधकों के मामले में निकासी की प्रक्रिया और पहचान विवादों में घिरती जा रही है।

हमास ने किया ''शवों का धोखा''

बुधवार को हमास द्वारा सौंपे गए चार शवों में से इजरायल के कई मीडिया और अधिकारियों का दावा है कि एक शव किसी इजरायली बंधक का नहीं बल्कि गाजा का एक फिलिस्तीनी नागरिक निकला। हिब्रू मीडिया के हवाले से एक अधिकारी ने खुलासा किया कि बरामद शवों की पहचान की जा रही है और प्रारंभिक जांच में पाया गया कि एक शव असत्यापित है। इजरायल में इससे पहले भी ऐसी घटनाएँ दर्ज हुई हैं इस साल के आरंभ में भी हमास ने एक शव सौंपने का दावा किया था जिसे बाद में इजरायली जांच में फिलिस्तीनी मनुष्य का निकला और असली अवशेष बाद में ही सौंपे गए थे।

मंत्री इतमार बेन ग्वीर का कड़ा बयान

हमास की इस हरकत पर इजरायल के कट्टर दक्षिणपंथी नेता इतमार बेन ग्वीर ने तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्ग पर लिखा- "बेइज्जती की हद हो गई। ट्रकों को रास्ता खोलने के कुछ ही पलों बाद, हमास वापस अपनी पुरानी चाल झूठ, धोखा और शवों के साथ छल पर आ गया। नाजी आतंकवाद सिर्फ़ हथियारों की भाषा समझता है। इससे निपटने का एकमात्र तरीका है इसे धरती से मिटा देना।"

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर तीखी आलोचना

उनका यह अनुमानित आक्रमक वक्तव्य देश में और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर तीखी आलोचना/चिंता का विषय बन सकता है, क्योंकि इससे संघर्ष और हिंसा की भाषा प्रबल होने का डर भी व्यक्त किया जा रहा है। गलत शव सौंपे जाने की बात वार्ता पर भरोसा कम कर सकती है और युद्धविराम की शर्तों पर दोबारा भरोसा बहाल करना मुश्किल बना सकती है। आईडीएफ के प्रमुख और कुछ कड़े राजनैतिक घटक इसे हमास के पक्ष की निष्ठा या शर्तों के उल्लंघन के रूप में देख रहे हैं ऐसे में इजरायल पर सैन्य कार्रवाई फिर से शुरू करने का दबाव बढ़ सकता है।

मौत से 3 दिन पहले कृतिका के पेट में क्या हुआ था, बहन की जिद से खुला राज, बेवफा निकला पति

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मेडिसिन के क्षेत्र में राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री से अवार्ड पाने की चाहत रखने वाली यंग और प्रॉमिसिंग डॉक्टर की जिंदगी डोर इस तरह से अचानक कट जाएगी, इसके बारे में किसी ने सपने में भी नहीं सोचा था. बेंगलुरु की डर्मेटोलॉजिस्ट (त्वचा रोग विशेषज्ञ) डॉ. कृतिका एम. रेड्डी की मौत को नैचुरल डेथ मानकर फाइल बंद करे की तैयारी चल रही थी. लेकिन विधाता को कुछ और ही मंजूर था. डॉ. कृतिका की बहन डॉ. निकिता एम. रेड्डी मौत की वजह जानने पर अड़ गई. इसके बाद कृतिका के सैंपल को जांच के लिए स्नस्रु भेजा गया, जहां वेटिंग लिस्ट थी. बता दें कि कृतिका की मौत 24 अप्रैल 2025 को हुई थी. स्नस्रु में प्रतीक्षा सूची लंबी होने की वजह से रिपोट्र अब आई है. FSL की रिपोर्ट आने के बाद खौफनाक राज से पर्दा हटा. कृतिका के सर्जन पति डॉ. महेंद्र रेड्डी पर अपनी ही पत्नी की हत्या का आरोप लगा है. कृतिका के परिजनों ने महेंद्र पर एक्सट्रामैरिटल अफेयर्स (दूसरी महिला से संबंध) रखने का भी आरोप लगाया है. अब पुलिस नए एंगल से पूरे मामले की जांच कर रही है।

दरअसल, 24 अप्रैल को डॉ. कृतिका (29) की तबीयत अचानक बिगड़ गई. इसके बाद उनके माता-पिता ने कावेरी अस्पताल ले जाया, जहां उन्हें 'डेड ऑन अराइवल' घोषित कर दिया गया. कृतिका अपने माता-पिता के साथ रह रही थीं और कमरे में बेहोश पाई गई थीं. पुलिस के अनुसार, मौत से तीन दिन पहले उन्होंने गैस्ट्राइटिस (पेट में सूजन और दर्द) की शिकायत की थी, जिसके लिए उनके सर्जन पति डॉ. महेंद्र रेड्डी जीएस. (31) ने उनका इलाज किया था. परिवार को शुरू में यह मौत नैचुरल लगी, लेकिन कृतिका की बहन डॉ. निकिता एम. रेड्डी ने मौत के वास्तविक कारण की जांच की मांग की. उनकी जिद के बाद पुलिस ने अस्वाभाविक मृत्यु (Unatural Death) का मामला दर्ज किया. छह महीने बाद फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (FSL) की रिपोर्ट में खुलासा हुआ कि कृतिका को प्रोपोफोल (Propofol) नामक एनेस्थेटिक दवा की अत्यधिक खुराक दी गई थी. यह दवा केवल ऑपरेशन थिएटर में उपयोग के लिए प्रेसक्राइब की जाती है. इस खुलासे के बाद बेंगलुरु पुलिस ने उनके पति डॉ. महेंद्र को गिरफ्तार कर लिया, जिन पर आरोप है कि उन्होंने कृतिका की हत्या अत्यधिक मात्रा में एनेस्थेटिक इंजेक्शन देकर की।

पैसे की मांग और पराई औरत से संबंध का आरोप

फॉरेंसिक साइंस रिपोर्ट में यह सामने आया कि डॉ. कृतिका को प्रोपोफोल (Propofol) नामक एक शक्तिशाली एनेस्थेटिक ड्रग (बेहोशी की दवा) से जहर दिया गया था. पुलिस के अनुसार, डॉ. महेंद्र ने घर पर ही ड्रिप (IV) के जरिए यह दवा दी, जिससे कृतिका की मौत को स्वाभाविक दिखाया जा सके. मामले की जांच में यह भी सामने आया है कि हत्या के पीछे वित्तीय विवाद और वैवाहिक कलह प्रमुख कारण थे. डॉ. कृतिका के परिवार ने आरोप लगाया है कि महेंद्र लगातार उनसे पैसे की मांग करता था, ताकि वह अपना निजी अस्पताल खोल सके, जबकि परिवार पहले ही दोनों के लिए एक क्लिनिक खोलने में मदद कर चुका था. परिवार ने यह भी आरोप लगाया है कि आरोपी पति के अन्य महिलाओं से संबंध थे और वह अक्सर कृतिका को मानसिक रूप से प्रताड़ित करता था. छह महीने तक संघर्ष करने के बाद परिवार ने पुलिस को मजबूर किया कि वह मामले को अप्राकृतिक मौत (Unnatural Death Report) से बदलकर हत्या के रूप में दर्ज करे।

कृतिका ड्रिप देकर भी शांत रहा था महेंद्र

कृतिका की बहन निकिता के पति मोहन ने कृतिका की मौत से कुछ घंटे पहले की घटनाओं के बारे में बताया. उन्होंने कहा, '23 अप्रैल को महेंद्र ने उसे (कृतिका को) ड्रिप लगाया और फिर दूसरे कमरे में सोने चला गया. अगली सुबह जब वह बेहोश पाई गई, तो मेरे ससुराल वाले और महेंद्र उसे अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया. महेंद्र इस बात पर अड़ा रहा कि उसकी पत्नी का शव उसके पैतृक गांव ले जाया जाए और कहा कि पोस्टमॉर्टम की ज़रूरत नहीं है. लेकिन मेरी पत्नी (निकिता) ही थी जो मज़बूती से डटी रही और उसने कृतिका की मौत का कारण जानने की ठानी.' बहरहाल पुलिस ने इस सप्ताह मणिपाल से डॉ. महेंद्र रेड्डी को गिरफ्तार कर लिया है. उस पर अब भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा के तहत हत्या के गंभीर आरोप लगाए गए हैं।

संक्षिप्त ख़बरें

7 साल के मासूम की दर्दनाक मौत! तेज रफ्तार ई-रिक्शा ने रौंदा, हमीरपुर में मचा हड़कंप — चालक फरार; जांच में जुटी पुलिस

उत्तर प्रदेश के हमीरपुर से एक दिल दहला देने वाली खबर आई है। जहां शहर के गौरादेवी मोहाल इलाके के पास सड़क किनारे खेल रहे 7 साल के मासूम सौरभ को एक तेज रफ्तार ई-रिक्शा ने सीने से रौंद दिया। बच्चे की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि ई-रिक्शा में सवार 3 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल लोगों का इलाज हमीरपुर जिला अस्पताल की इमरजेंसी में चल रहा है।

घटना की पूरी कहानी

सौरभ, जो गौरादेवी मोहाल में रहता था, कल सड़क के किनारे खेल रहा था। उसी समय तेज रफ्तार में आ रहा ई-रिक्शा उसके सीने को रौंदते हुए आगे निकल गया और कुछ दूरी पर पलट गया। घटना के बाद ई-रिक्शा में सवार लोग चीख-पुकार करने लगे। आसपास के लोगों ने बच्चे को तुरंत अस्पताल पहुंचाया, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

घायल सवारियों की हालत गंभीर

हादसे में घायल रावेन्द्र कुमार (43), उनकी पत्नी मिथलेश (40) और बेटी संयोगिता (20) को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। रावेन्द्र ने बताया कि वे जम्मू जाने के लिए गांव से निकले थे और बस स्टॉप तक जाने के लिए ई-रिक्शा पर सवार हुए थे। हादसा गौरादेवी मोहाल के पास हुआ।

पुलिस की कार्रवाई

सदर कोतवाली प्रभारी राकेश कुमार ने बताया कि ई-रिक्शा चालक हादसे के बाद फरार हो गया है। पुलिस उसे पकड़ने के लिए तलाश में जुटी है। हादसे की जांच भी जारी है। यह दर्दनाक घटना हमीरपुर में सड़क सुरक्षा की अनदेखी का एक गंभीर उदाहरण है। लोग सड़क किनारे बच्चों को खेलने की अनुमति ना दें और वाहन चालक भी सावधानी बरतें ताकि ऐसी घटना दोबारा ना हो।

सीजेई पर जूता फेंकने वाले वकील पर होगी कार्रवाई, सरकार ने एक्शन को दिखाई हरी झंडी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सुप्रीम कोर्ट में सीजेई बीआर गवई पर जूता फेंकने की कोशिश करने वाले वकील राकेश किशोर के खिलाफ अवमानना की कार्यवाही शुरू करने की राह साफ हो गई है. अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणि ने कोर्ट अवमानना अधिनियम, 1971 की धारा 15 के तहत सहमति प्रदान कर दी है. सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सुप्रीम कोर्ट को सूचित करते हुए कहा कि यह मामला न्यायपालिका की संस्थागत अखंडता से जुड़ा है, जो दांव पर लगी हुई है. इस पर जस्टिस सूर्याकांत ने टिप्पणी की कि हम अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के पक्ष में हैं, लेकिन समस्या यह है कि इसे कैसे नियंत्रित किया जाए।

उन्होंने आगे कहा कि हमारा धर्म कभी हिंसा को बढ़ावा नहीं देता. सोशल मीडिया में सब कुछ बिकाऊ बन गया है. यह घटना 6 अक्टूबर को सुप्रीम कोर्ट के कोर्टरूम नंबर 1 में हुई, जब 71 वर्षीय वकील राकेश किशोर ने सुनवाई के दौरान CJI गवई की ओर जूता फेंकने की कोशिश की. सुरक्षा कर्मियों ने तुरंत एक्शन में आकर इसे विफल कर दिया. जूता फेंकने के बाद किशोर ने नारे लगाए- सनातन धर्म का अपमान नहीं सहेगा हिंदुस्तान. घटना के तुरंत बाद बार काउंसिल ऑफ इंडिया (BCI) ने किशोर का लाइसेंस तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया. CJI गवई ने शांत भाव से कहा कि इससे विचलित न हों. हम विचलित नहीं हैं. ऐसी चीजें मुझे प्रभावित नहीं करतीं. सुनवाई बिना रुकावट जारी रही।

पिछले माह की घटना

घटना की जड़ें पिछले महीने की एक सुनवाई में हैं. खजुराहो के जावरी मंदिर में क्षतिग्रस्त भगवान विष्णु की मूर्ति के पुनर्निर्माण की याचिका पर सुनवाई के दौरान CJI गवई ने इसे पब्लिसिटी इंटरेस्ट लिटिगेशन करार दिया था. उन्होंने याचिकाकर्ता से कहा था कि यह पूरी तरह पब्लिसिटी इंटरेस्ट लिटिगेशन हैज जाकर खुद भगवान से कहो कि कुछ करो. अगर तुम भगवान विष्णु के कट्टर भक्त हो, तो प्रार्थना करो और ध्यान लगाओ. किशोर ने इसे अपनी आस्था का अपमान माना. मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि मैंने सभी परिणाम सोचे- जेल जाऊंगा, दुख सहूंगा- लेकिन यह भगवान के नाम पर था. भगवान ने मुझे उकसाया. पुलिस ने तीन घंटे पूछताछ के बाद उन्हें छोड़ दिया, क्योंकि कोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल ने शिकायत दर्ज न करने का फैसला किया।

इस घटना ने न्यायपालिका की गरिमा पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए. एक वकील सुभाष चंद्रन केआर ने अटॉर्नी जनरल को पत्र लिखकर सहमति की मांग की थी, जिसमें कहा गया कि किशोर का कृत्य न्याय प्रशासन में हस्तक्षेप और सुप्रीम कोर्ट की गरिमा को ठेस पहुंचाने वाला है. पत्र में उल्लेख किया गया कि किशोर ने मीडिया में भी CJI के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणियां कीं, जो पछतावे की बजाय बचाव का रुख दर्शाती हैं. सुप्रीम कोर्ट अब किशोर के खिलाफ अवमानना का केस चलाएगा. विशेषज्ञों का मानना है कि यह मामला न केवल व्यक्तिगत अवमानना है, बल्कि सोशल मीडिया के जरिए धार्मिक भावनाओं को उकसाने और न्यायिक प्रक्रिया को बाधित करने का उदाहरण भी है. जस्टिस सूर्यकांत की टिप्पणी ने अभिव्यक्ति की सीमाओं पर बहस छेड़ दी है।

प्रशांत किशोर ने बताया क्यों नहीं लड़ेंगे बिहार चुनाव

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली- जन सुराज पार्टी के प्रमुख प्रशांत किशोर ने बिहार विधानसभा चुनाव से कुछ हफ्ते पहले एक बड़ा ऐलान किया है. चुनावी रणनीतिकार से नेता बने प्रशांत किशोर ने इस बार चुनाव नहीं लड़ने की घोषणा की है. उन्होंने बताया कि यह फैसला उनकी पार्टी के सदस्यों ने लिया है. एक इंटरव्यू में इस फैसले के पीछे की वजह बताते हुए प्रशांत किशोर ने कहा कि अगर वे खुद चुनाव लड़ते, तो इससे उनका ध्यान पार्टी को मज़बूत करने से भटक जाता. प्रशांत किशोर ने कहा कि उनके ऊपर पार्टी के भीतर कई ज़िम्मेदारियां हैं. जब उनसे पूछा गया कि क्या वे चुनाव लड़ना चाहते थे, तो उन्होंने कहा, 'मैंने चुनाव लड़ने पर विचार किया था, लेकिन पार्टी का फैसला सबसे अहम है और मैं उसके साथ हूं.'उन्होंने आगे कहा, 'पार्टी के सदस्यों ने तय किया है कि मुझे पार्टी के अन्य उम्मीदवारों की जीत के लिए काम पर ध्यान देना चाहिए, इसलिए मैं चुनाव नहीं लड़ रहा हूं-'पिछले साल अक्टूबर 2024 में जन सुराज पार्टी लॉन्च करने वाले प्रशांत किशोर को लेकर अटकलें थीं कि वे वैशाली जिले की राघोपुर विधानसभा सीट से चुनाव लड़ सकते हैं, जो राष्ट्रीय जनता दल का गढ़ माना जाता है।

लेकिन मंगलवार (14 अक्टूबर) शाम, जन सुराज पार्टी के नेता चंचल सिंह ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट कर राघोपुर सीट से टिकट मिलने की जानकारी दी. इस घोषणा के साथ ही यह अटकलें लगभग खत्म हो गई कि प्रशांत किशोर लालू प्रसाद के गढ़ राघोपुर से चुनाव लड़ सकते हैं. चंचल सिंह ने अपने फेसबुक पेज पर लिखा, 'पार्टी के शीर्ष नेतृत्व और जन सुराज परिवार का आभारी हूं कि उन्होंने मुझे 128 राघोपुर विधानसभा सीट से उम्मीदवार चुना. मैं क्षेत्र की जनता से स्नेह और आशीर्वाद की अपील करता हूं.'प्रशांत किशोर ने पहले कहा था कि अगर वे चुनाव लड़ते, तो या तो राघोपुर से या अपने गृह निर्वाचन क्षेत्र काराकट से लड़ते. जन सुराज की 9 अक्टूबर को जारी सूची में काराकट सीट से किसी अन्य नेता को टिकट दिया गया है. इंडियन एक्सप्रेस को जन सुराज पार्टी के एक सूत्र ने बताया कि किशोर के चुनाव नहीं लड़ने के फैसले से पहले पार्टी ने सभी विकल्पों पर विचार किया था. उन्होंने कहा, 'अगर किशोर चुनाव लड़ते, तो पूरी संगठनात्मक मशीनरी को उस सीट पर अपनी ऊर्जा केंद्रित करनी पड़ती. इसके अलावा, वे जातीय बहस में फंसना नहीं चाहते थे, जो विपक्ष खड़ा कर सकता था.' जन सुराज पार्टी के नेता ने यह भी बताया कि चुनाव में हार 'ब्रांड प्रशांत किशोर' के लिए बड़ा झटका होती, क्योंकि उन्होंने अपनी विशेष पहचान सफल राजनीतिक अभियानों में हिस्सेदारी के जरिए बनाई है।

तमिलनाडु शराब घोटाले की जांच पर सुप्रीम कोर्ट ने ईडी से किए सवाल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली- सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार (14 अक्टूबर) को तमिलनाडु स्टेट मार्केटिंग कॉरपोरेशन (टीएएसएमएसी) के ऊपर कथित शराब घोटाले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की मनी लॉन्ड्रिंग जांच पर लगी रोक को बढ़ा दिया है. अदालत का यह फैसला उस मौखिक टिप्पणी के बाद आया, जिसमें उसने सवाल उठाया था कि क्या ईडी की जांच राज्य सरकार के अपराधों की जांच करने के अधिकार में दखल नहीं दे रही है द हिंदू की रिपोर्ट के अनुसार, मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) बीआर गवई की अध्यक्षता वाली पीठ ने देश के संघीय ढांचे और ईडी की शक्तियों को लेकर चिंता जताते हुए अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू से सवाल किया, 'संघीय ढांचे का क्या होगा? क्या यह राज्य के जांच के अधिकार का हनन नहीं है? क्या स्थानीय पुलिस इस मामले की जांच नहीं कर सकती?' सीजेआई गवई और जस्टिस के. विनोद चंद्रन की दो सदस्यीय पीठ ने मामले की अगली सुनवाई विजय मदनलाल चौधरी केस (2022) पर दायर पुनर्विचार याचिकाओं पर अपना निर्णय सुनाने के बाद तय की है।

गौरतलब है कि साल 2022 में सुप्रीम कोर्ट ने यह फैसला दिया था कि इंफ़ोर्समेंट केस इनफार्मेशन रिपोर्ट (ईसीआईआर) को आरोपी के साथ साझा करना अनिवार्य नहीं है. तमिलनाडु की सरकारी शराब रिटेल कंपनी टीएएसएमएसी का कहना है कि उसे ईसीआईआर तक पहुंच नहीं दी गई, जबकि ईडी का तर्क है कि यह एक 'आंतरिक दस्तावेज़' है, जिसे साझा करने का कोई कानूनी अधिकार नहीं बनता. यह छह महीनों में दूसरी बार है जब सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में ईडी की कार्रवाई पर सवाल उठाया है. इससे पहले, सीजेआई ने टिप्पणी की थी कि 'ईडी सारी सीमाएं पार कर रही है।'

ईडी ने टीएएसएमएसी में कथित अनियमितताओं, जैसे कमीशनखोरी और खरीद प्रक्रिया में गड़बड़ियों के आरोपों के आधार पर जांच शुरू की थी. जबकि तमिलनाडु सरकार का कहना है कि ये आरोप राजनीतिक रूप से प्रेरित हैं और केंद्र सरकार अपनी एजेंसियों का दुरुपयोग कर रही है ताकि विपक्षी दलों को निशाना बनाया जा सके. विवाद ईडी की छापेमारी और जब्ती की कार्रवाई को लेकर है जो टीएएसएमएसी के मुख्यालय में की गई थी. सुनवाई के दौरान टीएएसएमएसी की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने तर्क दिया कि ईडी की कार्रवाई संघीय व्यवस्था पर 'सीधा प्रहार' है और एजेंसी ने राज्य सरकार की समानांतर जांच में कोई जानकारी साझा नहीं की. उन्होंने कहा, 'आप सरकारी दफ्तरों पर कैसे छापा मार सकते हैं? इस देश के संघीय ढांचे का क्या होगा?'

वहीं, अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने जवाब में कहा कि ईडी सिर्फ मनी लॉन्ड्रिंग के पहलू की जांच कर रही है और उसे जांच के दौरान कुछ आपत्तिजनक साक्ष्य मिले हैं. इस पर सीजेआई गवई ने कहा, 'कानून-व्यवस्था को अपने अधिकारक्षेत्र में ही काम करना चाहिए, वरना संघीय ढांचे का क्या होगा?' सीजेआई ने ईडी के ख़िलाफ़ कड़ी टिप्पणी करने खुद को रोकते हुए कहा, 'पिछले छह सालों में मैंने ईडी के कई मामले देखे हैं. लेकिन मैं ज़्यादा कुछ नहीं कहना चाहता, वरना यह फिर मीडिया में रिपोर्ट हो जाएगा.' इस पर राजू ने टिप्पणी की कि 'मीडिया हमारे पक्ष (ईडी) में आने वाली बातें शायद ही कभी रिपोर्ट करता है, यही मेरी शिकायत है।'

भूख की आँच में झुलसती मानवता- क्या यही प्रगति है?

खाली थालियाँ, भरे गोदाम÷कैसी यह दुनिया हमारी?

जब एक भूखे बच्चे की आँखों में रोटी का सपना धुँधला पड़ता है, तो मानवता की सारी चमक एक पल को थम सी जाती है। न चाँद की उड़ानें, न टेक्नोलॉजी की चकाचौंध, न ही गगनचुंबी इमारतें उस एक निवाले का मोल रखती हैं, जो किसी की भूख मिटा दे। हर साल 16 अक्टूबर को विश्व खाद्य दिवस यह कसक जगाता है–यह महज एक तारीख नहीं, बल्कि एक आह्वान है- एक ऐसी दुनिया बनाने का, जहाँ हर थाली में पौष्टिक भोजन हो और हर भविष्य सुरक्षित। 2025 की थीम, "बेहतर भोजन, बेहतर भविष्य के लिए एकजुटता,"हमें भोजन की उपलब्धता, गुणवत्ता और टिकाऊपन के लिए सामूहिक जिम्मेदारी का संदेश देती है। यह वह सपना है, जहाँ भूख सिर्फ एक भूली-बिसरी कहानी बन जाए।

1945 में संयुक्त राष्ट्र खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) की स्थापना ने विश्व खाद्य दिवस की नींव रखी, जिसका लक्ष्य था हर इंसान तक भोजन को गरिमा के साथ पहुँचाना। मगर 80 साल बाद भी यह मिशन अधूरा है। विश्व खाद्य कार्यक्रम (डब्ल्यूएफपी) के मुताबिक, 82.8 करोड़ लोग आज भी भूख की चपेट में हैं–यह आँकड़ा सिर्फ संख्या नहीं, बल्कि उन माँओं की चुप्पी है, जो अपने बच्चों को भूखा सुलाती हैं; उन किसानों की पीड़ा है, जो दुनिया को खिलाते हुए खुद भूख से जूझते हैं। सबसे बड़ी त्रासदी यह है कि हर साल 1.3 अरब टन भोजन बर्बाद होता है–इतना कि यह पूरे उप-सहारा अफ्रीका को एक साल तक खिला सकता है। एक ओर खाली थालियाँ बेचैन हैं, तो दूसरी ओर डस्टबिन भोजन से अटे पड़े हैं। यह विडंबना हमसे सवाल करती है- क्या हमारी प्रगति अधूरी नहीं?

भारत में यह संकट और गहरा है। विश्व का दूसरा सबसे बड़ा खाद्यान्न उत्पादक देश होने के बावजूद, ग्लोबल हंगर इंडेक्स 2024 में भारत 127 देशों में से 105वें पायदान पर है। यहाँ 19.4 करोड़ लोग भूखे हैं, और 43% बच्चे कुपोषण की मार झेल रहे हैं। "अन्नदाता" कहलाने वाला किसान कर्ज, बेमौसम बारिश और बाजार की अनिश्चितताओं में फँसकर अपने परिवार को दो जून की रोटी नहीं दे पाता। फिर भी, भारत की मिट्टी में वह शक्ति है, जो न सिर्फ देश, बल्कि पूरी दुनिया को खिला सकती है। 2025 की थीम हमें यही सिखाती है कि सरकार, किसान, वैज्ञानिक और समाज की एकजुटता ही वह पुल है, जो खेतों से थालियों तक भोजन पहुँचाएगा। हाथ में हाथ मिलाकर भूख को इतिहास बना दें।

भोजन का संकट केवल मात्रा का नहीं, बल्कि पहुँच, गुणवत्ता और समानता का है। विश्व बैंक की एक रिपोर्ट बताती है कि 2020 के बाद से खाद्य कीमतों में 20% की उछाल ने गरीब देशों में भोजन को और दुर्लभ बना दिया। भारत में राशन प्रणाली और सब्सिडी जैसी योजनाएँ हैं, मगर भ्रष्टाचार और अक्षमता के कारण लाखों जरूरतमंद भूखे रह जाते हैं। इससे भी गंभीर है "छिपी भूख" की मार–लाखों लोग भोजन तो खाते हैं, लेकिन पोषण की कमी के कारण बच्चों में स्टंटिंग और वेस्टिंग जैसे रोग बढ़ रहे हैं। 2025 की थीम "बेहतर भोजन" यही माँग करती है कि हम केवल पेट भरने नहीं, बल्कि हर व्यक्ति तक पौष्टिक, संतुलित आहार पहुँचाने पर ध्यान दें, जो उनकी शारीरिक और मानसिक सेहत को संवारे।

2025 की थीम पर्यावरण और भोजन के अटूट रिश्ते को भी उजागर करती है। जलवायु परिवर्तन, मिट्टी की घटती उर्वरता, और जल संसाधनों का दोहन हमारी खाद्य प्रणाली को कमजोर कर रहे हैं। एफएओ के मुताबिक, विश्व का 70% जल कृषि में खर्च होता है, जिसका बड़ा हिस्सा बर्बाद हो जाता है। सतत कृषि, जैविक खेती, ड्रिप इरिगेशन, और वर्षा जल संचय अब जरूरत बन चुके हैं। हमें स्थानीय, मौसमी भोजन को बढ़ावा देना होगा, ताकि आयात कम हो और किसानों को लाभ मिले। साथ ही, भंडारण और परिवहन में होने वाली बर्बादी को रोकने के लिए खाद्य आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करना होगा। यह थीम हमें सिखाती है

कि बेहतर भविष्य तभी संभव है, जब हम प्रकृति के साथ कदम मिलाएं।

भारत में भोजन केवल भौतिक जरूरत नहीं, बल्कि संस्कृति और प्रेम का प्रतीक है। ÷अन्नपूर्णा÷ के रूप में पूजा जाने वाला अन्न, गाँवों में मेहमानों को खिलाने का गर्व और एकता का संदेश देता है। मगर आधुनिक उपभोक्तावाद ने हमें फास्ट फूड और पैकेज्ड भोजन की चमक में उलझा दिया, जबकि हम अपनी जड़ों बाजरा, ज्वार, रागी जैसे पौष्टिक और टिकाऊ अनाजों को भूलते जा रहे हैं। ÷बेहतर भोजन÷ हमें अपनी परंपरा की ओर लौटने और स्थानीय, पर्यावरण-अनुकूल भोजन को अपनाने का आह्वान करता है, जो न केवल सेहत दे, बल्कि धरती को भी बचाए।

भारत सरकार की योजनाएँ–राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2013, मिड-डे मील, पोषण अभियान, और प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना–भूख और कुपोषण से लड़ने की दिशा में अहम कदम हैं। मगर इनकी सफलता समाज की भागीदारी पर टिकी है। भारत में हर साल 67 मिलियन टन भोजन (अनुमानित कीमत लगभग 92,000 करोड़) बर्बाद होता है–यह एक त्रासदी है। जरूरत है हिसाब से खाना खरीदना, बचे हुए भोजन को दान करना, और सामुदायिक रसोईघरों में योगदान देना जैसे छोटे कदम बड़े बदलाव ला सकते हैं। ÷हाथ में हाथ÷ मिलाकर भूख को हराएँ और हर थाली को समृद्ध करें।

तकनीक भूख के खिलाफ एक शक्तिशाली हथियार बन सकती है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), ड्रोन, और सैटेलाइट्स के जरिए फसलों की निगरानी, सटीक मौसम भविष्यवाणी, और स्मार्ट आपूर्ति श्रृंखलाएँ भोजन की बर्बादी को कम कर रही हैं। मगर यह ताकत तभी सार्थक है, जब यह भारत के 86% छोटे और सीमांत किसानों तक पहुँचे, जिनके पास आधुनिक संसाधनों की कमी है। यदि हम इन किसानों को तकनीक, प्रशिक्षण, और बाजार से जोड़ सकें, तो खाद्य सुरक्षा का सपना हकीकत में बदल सकता है। यह एकजुटता ही खेतों से थालियों तक भोजन का सफर सुनिश्चित करेगी।

विश्व खाद्य दिवस हमें सिखाता है कि भूख केवल पेट की नहीं, आत्मा की भी होती है। किसी भूखे को भोजन देना सिर्फ उसका पेट भरना नहीं, बल्कि उसकी गरिमा और उम्मीद को पोषित करना है। "हाथ में हाथ" का मतलब है कि यह जिम्मेदारी हम सबकी है। हर थाली में अन्न का होना महज एक लक्ष्य नहीं, बल्कि हमारी सामूहिक जवाबदेही है। इस विश्व खाद्य दिवस पर संकल्प लें कि हम भोजन की बर्बादी रोकेंगे, जरूरतमंदों के साथ अन्न बाँटेंगे, और एक ऐसी दुनिया बनाएँगे जहाँ भूख सिर्फ एक भूली-बिसरी कहानी हो। क्योंकि जब हर चेहरे पर भोजन की मुस्कान खिलेगी, तभी हमारी धरती सही मायनों में समृद्ध और शांतिपूर्ण होगी।

प्रो. आरके जैन

संपादकीय

मारिया की राजनीति और राहुल गांधी की रणनीतिक उलझन

वैश्विक राजनीति अक्सर ऐसी जटिल उलझनें पैदा कर देती है जहाँ सिद्धांत और व्यावहारिक राजनीति के बीच का अंतर पेचीदा हो जाता है। नोबेल शांति पुरस्कार 2025 विजेता वेनेजुएला की मारिया कोरिना माचाडो और भारत के कांग्रेस नेता राहुल गांधी को लेकर एक दिलचस्प परिदृश्य उत्पन्न हो गया गया है। मारिया अपने देश में सरकार के खिलाफ, लोकतंत्र, मतदान में धांधली, भ्रष्टाचार आदि को लेकर संघर्ष कर रही है। कांग्रेस और राहुल गांधी उनकी इस राजनीति की सराहना करते हैं क्योंकि ऐसा ही वे भारत में अपनी राजनीति में कर रहे हैं। कांग्रेसी मारिया और राहुल को एक ही डाल का पंछी मानते हैं। यहाँ तक कि कांग्रेस के एक आधिकारिक प्रवक्ता ने तो राहुल गांधी के लिए भी नोबेल की मांग कर डाली। वे मारिया को राहुल गांधी की समर्थक मानते हैं। मारिया ने एक बार राहुल गांधी की तारीफ में ट्वीट भी किया था। दूसरी ओर वास्तविकता यह है कि राहुल गांधी और कांग्रेस की सियासत और मारिया की राजनीति और विचारधारा में गहरा अंतर्विरोध है। यह अंतर्विरोध ही राहुल और कांग्रेस के लिए जटिल उलझन और गले की फांस बन गया गया है। मारिया को नोबेल की घोषणा करते हुए नॉर्वेजियन नोबेल समिति ने उन्हें 'लोकतांत्रिक अधिकारों को बढ़ावा देने और तानाशाही के खिलाफ अथक प्रयास' के लिए सराहा। हालांकि, माचाडो की धुर दक्षिणपंथी विचारधारा–जिसमें डोनाल्ड ट्रम्प का समर्थन, इजराइल की नीतियों की पक्षधरता और आर्थिक निजीकरण की वकालत शामिल है– ने कांग्रेस और राहुल गांधी के लिए पसोपेश वाली स्थिति पैदा कर दी है।

मारिया कोरिना माचाडो का राजनीतिक उदय वेनेजुएला की समाजवादी सरकारों के खिलाफ प्रतिरोध पर आधारित है। 1967 में जन्मी माचाडो, एक पूर्व सांसद और इंजीनियर, 2012 से विपक्षी गठबंधन की प्रमुख रही हैं। उन्होंने ह्यूगो चावेज़ और निकोलास मादुरो की सरकारों पर चुनावी धांधली, भ्रष्टाचार और मानवाधिकार उल्लंघनों के आरोप लगाए। ऐसा ही राहुल गांधी भारत में भाजपा सरकार के ख़िलाफ़ करते हैं। 2024 के राष्ट्रपति चुनावों में, मादुरो सरकार ने मारिया को अयोग्य घोषित कर दिया, जिसके बाद उन्होंने एडमुंडो गोंजालेज़ को समर्थन देकर विपक्ष को एकजुट किया। इन प्रयासों ने उन्हें अंतरराष्ट्रीय मान्यता दिलाई, जिसमें अमेरिकी प्रतिबंधों और विदेशी सहायता की मांग शामिल थी। मारिया की विचारधारा की अपनी राजनीति है। उन्होंने अपना पुरस्कार ट्रम्प को समर्पित करते हुए उन्हें 'हमारे संघर्ष का निर्णायक समर्थक' बताया। मारिया ने अपने देश में अमेरिकी सैन्य हस्तक्षेप की भी वकालत की, जिससे वेनेजुएला में आर्थिक संकट बढ़ा। इजराइल के प्रति उनका रुख साफ है। उन्होंने इजराइल को 'स्वतंत्रता का सच्चा सहयोगी' कहा और गाजा संघर्ष में इजराइली कार्रवाइयों का समर्थन किया। इसके अलावा, माचाडो राज्य तेल कंपनी पीडीवीएसए के निजीकरण की भी पक्षधर हैं, जो समाजवादी विचारधारा के विपरीत है।

इस बीच मारिया को नोबेल की घोषणा होते ही भारत में कांग्रेस ने मारिया के पुरस्कार को अपने राजनीतिक नैरेटिव से जोड़ने का प्रयास किया। कांग्रेस नेता राशिद अल्वी ने कहा कि "मारिया ने वेनेजुएला में लोकतंत्र के लिए जो संघर्ष किया, वही राहुल गांधी भारत में कर रहे हैं। पार्टी प्रवक्ता सुरेंद्र राजपूत ने सोशल मीडिया पर माचाडो की तुलना राहुल गांधी से की, उन्हें 'संविधान बचाने का योद्धा' बताते हुए उनके लिए भी नोबेल पुरस्कार की मांग कर डाली। यह तुलना कांग्रेस की रणनीति का हिस्सा है, जहां राहुल गांधी को चुनावी धांधली, संस्थागत क्षरण और सामाजिक न्याय के मुद्दों पर मुखर दिखाया जाता है। विश्लेषणात्मक दृष्टि से देखें तो यह नैरेटिव बहुत सतही है और राहुल तथा मारिया के बीच वैचारिक विरोधाभासों को अनदेखा करता है।

कांग्रेस की ऐतिहासिक विचारधारा समाजवाद, धर्मनिरपेक्षता और साम्राज्यवाद-विरोध पर टिकी है। पार्टी ने फिलिस्तीन मुद्दे पर हमेशा समर्थन दिया, जो उसके मुस्लिम मतदाता आधार और वामपंथी सहयोगियों से जुड़ा है। मारिया का

इजराइल-समर्थक रुख कांग्रेस की नीतियों से सीधा टकराव पैदा करता है। कांग्रेस ने गाजा हमलों की निंदा की है, जबकि मारिया ने इजराइल को 'स्वतंत्रता का सहयोगी' बताया।

इसी प्रकार, माचाडो का ट्रम्प समर्थन कांग्रेस के लिए असहज है, जिसने भाजपा पर 'ट्रम्प-मोदी गठजोड़' के आरोप लगाए हैं। माचाडो की निजीकरण नीति भी कांग्रेस की समाजवादी नीति के विपरीत है। विश्लेषणात्मक रूप से, ये अंतर्विरोध कांग्रेस की वैचारिकता को चुनौती देते हैं। यदि कांग्रेस मारिया का समर्थन जारी रखती है, तो यह उसके वोट बैंक और सहयोगी दलों में दरार डाल सकती है, विशेष रूप से मुस्लिम और वामपंथी समूहों में, जहां माचाडो को 'इजराइल-समर्थक' माना जाता है।यदि पार्टी माचाडो का समर्थन करती है, तो वह वैचारिक समझौता करेगी, जिससे वोट बैंक दरक सकता है–उदाहरण के लिए, 2024 चुनावों में मुस्लिम वोटों का करीब 70 प्रतिशत कांग्रेस को मिला था। यदि मौन साधती है या आलोचना करती है, तो भाजपा इसे 'लोकतंत्र-विरोधी' बताकर प्रचार करेगी। राहुल गांधी की व्यक्तिगत स्थिति और भी जटिल है; वे न तो पूर्ण समर्थन कर पा रहे हैं और न विरोध। यह गहन दुविधा,जटिल उलझन कांग्रेस की रणनीतिक कमजोरी को उजागर करती है। राजनीतिक विश्लेषण की दृष्टि से उनके मारिया कोरिना माचाडो का नोबेल पुरस्कार लोकतंत्र संघर्ष को मान्यता तो देता है, लेकिन यह वैचारिक जटिलताओं को भी सामने लाता है। कांग्रेस के लिए यह एक अवसर था जो दुविधा में बदल गया और गले की फांस बन गया जिससे निपटना बहुत मुश्किल है।

हरीश शिवनानी

पुस्तकें हमारी सच्ची मित्र, मार्गदर्शक, बुद्धिमान सलाहकार और धैर्यवान शिक्षक होती हैं

पुस्तक मानवता की आत्मा और सभ्यता की संवाहक हैं। महात्मा गांधी ने कहा है कि "पुराने वस्त्र पहनो पर नई पुस्तकें खरीदो," क्योंकि रत्न भले ही देह को अलंकृत करें, पर पुस्तकें अंतःकरण को आलोकित करती हैं। वास्तव में पुस्तकें मनुष्य के भीतर छिपे सत्य और अनुभवों के द्वार खोलती हैं। जो व्यक्ति पुस्तकों से दूर रहता है, वह जीवन की अनेक सच्चाइयों से अनभिज्ञ रह जाता है। पुस्तकें न केवल ज्ञान का स्रोत हैं, बल्कि कठिन परिस्थितियों में आत्मबल और समाधान की दिशा भी देती हैं। वे हमें सिखाती हैं कि चाहे विपत्ति कितनी ही बड़ी क्यों न हो, धैर्य और विवेक से उसका समाधान संभव है। डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम का कहना है कि ÷एक पुस्तक अनेक मित्रों के बराबर होती है,÷ जबकि शिक्षाविद् चार्ल्स विलियम इलियट के अनुसार, "पुस्तकें मित्रों में सबसे शांत, सलाहकारों में सबसे बुद्धिमान और शिक्षकों में सबसे धैर्यवान होती हैं।" वास्तव में, पुस्तकें जीवन की सच्ची गुरु हैं जो हमें सोचने, समझने और आगे बढ़ने की प्रेरणा देती हैं। वे न केवल मानसिक, बल्कि सामाजिक, आर्थिक, नैतिक, सांस्कृतिक और चारित्रिक विकास की संवाहक हैं।

प्राचीन भारत में 'पंचतंत्र' और 'हितोपदेश' जैसे ग्रंथों के माध्यम से बच्चों को नैतिक शिक्षा, नीति, सदाचार और जीवन कौशल सिखाने की परंपरा रही है। इन पुस्तकों ने भारतीय संस्कृति, सभ्यता और मूल्यबोध के संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। विश्व की प्रत्येक सभ्यता में लेखन और पठन की परंपरा ही संस्कृति की धुरी रही है, क्योंकि पुस्तकों ने धर्म, दर्शन, राजनीति और समाज को दिशा दी है।

अच्छी पुस्तकें मनुष्य के भीतर चेतना, विवेक और सद्गुणों का संचार करती हैं तथा उसे जीवन के उद्देश्य से परिचित कराती हैं। ऐतिहासिक पुस्तकों से हमें अतीत की घटनाओं, सभ्यता और संस्कृतियों का ज्ञान मिलता है, जिससे व्यक्तित्व का समुचित विकास होता है। डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन ने कहा था कि ÷पुस्तकें वह साधन हैं जिनके माध्यम से हम विभिन्न संस्कृतियों और समाजों के बीच सेतु का निर्माण कर सकते हैं।" यही कारण है कि अनेक लोग आज भी अपने पास गुरुवाणी, हनुमान चालीसा, गीता या रामचरितमानस जैसी पुस्तकें रखते हैं, जो जीवन के हर मोड़ पर उनका मार्गदर्शन करती हैं। वर्तमान में जब डिजिटल युग ने संसार को स्क्रीन पर समेट दिया है, तब भी

पुस्तक का महत्त्व समाप्त नहीं हुआ है। अब डिजिटल पुस्तकें और ऑनलाइन लाइब्रेरीज़ ने अध्ययन को आसान और सर्वसुलभ बना दिया है।

पहले के बच्चे 'चंदामामा', 'नंदन', 'बालभारती' जैसी पत्रिकाओं से ज्ञान और मनोरंजन प्राप्त करते थे, आज वही ज्ञान डिजिटल स्वरूप में उपलब्ध है। भारत सरकार और राज्य सरकारें 'ई-शिक्षा' तथा 'डिजिटल लाइब्रेरी' के माध्यम से विद्यार्थियों तक पठन सामग्री पहुंचा रही हैं। यह एक नई शिक्षा क्रांति का प्रतीक है, परंतु इसके साथ सावधानी भी आवश्यक है, क्योंकि इंटरनेट पर उपलब्ध भ्रामक या अप्रामाणिक सामग्री बच्चों के मन पर विपरीत प्रभाव डाल सकती है। इसलिए माता-पिता और शिक्षक की भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण हो गई है कि वे बच्चों को सही पुस्तकों के चयन की दिशा में प्रेरित करें। डिजिटल पुस्तकें भले ही सुविधाजनक हों, परंतु कागज़ की पुस्तक हाथ में लेकर पढ़ने का आनंद, उसकी खुशबू, उसके पन्नों का आत्मीय स्पर्श आज भी अनुपम है। पुस्तकें केवल ज्ञान का माध्यम नहीं, बल्कि मनुष्य और समाज के बीच संवाद की सबसे पवित्र कड़ी हैं। वे हमें एकता, सद्भावना और राष्ट्रनिर्माण की प्रेरणा देती हैं। पुस्तकें युवाओं को दिशा देती हैं, समाज को विचार देती हैं और राष्ट्र को चरित्र देती हैं। इसलिए कहा जा सकता है कि पुस्तकें ही वह अमूल्य निधि हैं जिनसे मानवता का भविष्य सुरक्षित और उज्जवल बनता है।

संजीव ठाकुर

धन तेरस पर परोपकार का संकल्प करे

भारतीय पुराणों में धनतेरस के पीछे आयुर्वेद के प्राण प्रतिष्ठापक धन्वंतरि के प्रादुर्भाव की कथा जुड़ी हुई है

कार्तिक वदि तेरस से अमावस (दीपावली) तक निरन्तर तीन विशेष पर्व मनाये जाते हैं, उसी प्रकार कार्तिक शुक्ल प्रतिपदा तथा द्वितीया को भी विशेष प्रकार के कुछ उत्सव व समारोह आयोजित होते है। इन पर्वों को पंचपर्व कहते है। मानव जीवन के साथ तथा समाज एवं राष्ट्रीय धारा के साथ गहरा सम्बन्ध है। सर्वप्रथम प्रथम धन-तेरस के बारे में चर्चा करते है। यों तो प्रत्येक पक्ष में तीज और तेरस का दिन शुभ माना जाता है। कहावत है-बिन पूछा मुहुरत भला, या तेरस या तीज। किन्तु कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की तेरस बड़ी शुभ और लाभकारी मानी जाती है। पता नहीं इसे धन-तेरस नाम देने के पीछे क्या कल्पना रही होगी। मेरे विचार में इसका सम्बन्ध दीपावली पर लक्ष्मी पूजन करने से पूर्व धन देवता की पूजा-अर्चना करके उसे प्रसन्न करने से हो सकता है।

भारत में हिन्दू समाज में कार्तिक कृष्ण तेरस को सूर्यास्त के पश्चात् लक्ष्मी पूजन होता है और घर के द्वार पर यम का एक दिया जलाया जाता है। पुराणों की मान्यता ऐसी है कि पितृपक्ष में पितृगण अपने परिवारजनों को देखने के लिए अदृश्य रूप में भूलोक में आते हैं। वे सबको देखकर इस दिन वापस अपने पितृलोक को लौट जाते हैं। इसलिए इस दिन एक दिया जलाकर पितृगण को विदा दी जाती है। यह एक रूढ़ लोकमान्यता है।

भारतीय पुराणों में धन-तेरस के पीछे आयुर्वेद के प्राण-प्रतिष्टदायक धन्वन्तरि के प्रादुर्भाव की कथा जुड़ी हुई है। महाभारत और पुराणों के अनुसार यह माना जाता है कि देव-दानवों ने मिलकर जब समुद्र-मंथन किया तो उसमें चौवह दुर्लभ रत्न प्राप्त हुए। उसी समुद्र-मंथन में धन्वन्तरि हाथ में अमृत कलश लिए प्रकट हुए। धन्वन्तरि चिकित्सा विज्ञान के आदि पुरुष माने जाते हैं। धन्वन्तरि शब्द का अर्थ है-शल्पशास्त्र में पारंगत पुरुष। किन्तु सुश्रुत संहिता के अनुसार आयुर्वेव के आठो अंगों का निपुण वैद्य धन्वन्तरि कहा जाता है। कुछ पुराणों के अनुसार काशी का राजा दिवोदास धन्वन्तरि नाम से प्रसिद्ध हुआ जो आयुर्वेद का महान् विद्वान् था।धन्वन्तरि देवताओं के चिकित्सक आज की भाषा में फेमिली डॉक्टर माने जाते हैं।

महाभारत आदि पुराणों के अनुसार कार्तिक वदी13 के दिन धन्वतरि प्रकट हुए इसलिए यह धन तेरस धन्वन्तरि के जन्म-दिन के रूप में मनायी जाती है। धन्वन्तरि के हाथ में अमृत कलश यह सूचित करता है कि संसार में रोग के विषाणुओं का नाश करने के लिए उसने औषधि रूप अमृत प्रदान किया। समस्त संसार को आधि-

व्याधि, रोग आदि से मुक्त करके मानब को सुखी और स्वस्थ बनाना ही धन्वन्तरि का लक्ष्य है। भगवान ने प्रसन्न होकर जब धन्वन्तरि से कहा- "तुम जो चाहो सो वर मांगो" तो उसने भगवान से एक ही प्रार्थना की- प्रभो, न तो मुझे राज्य चाहिए, न स्वर्ग। मुझे मोक्ष की भी कामना नहीं है। मेरी एक ही कामना व हार्दिक इच्छा है कि संसार के दुःखी, रोगी और पीड़ितजनों की पीड़ा दूर करूँ।

रामायण में प्रसंग है कि जब रणभूमि में लक्ष्मण जी शक्ति-प्रहार से मूर्छित हो जाते हैं तब हनुमान जी सुषेण वैद्य को लंका से उठाकर लाते

और उससे प्रार्थना करते हैं- "हे वैद्यराज, वीर लक्ष्मण की पीड़ा दूर करो, इनकी चिकित्सा करो।" सुषेण वैद्य कहता है- "तुमने मुझ पर विश्वास कैसे किया? मैं शत्रु पक्ष का वैद्य हूँ। मैं तुम्हारे रोगी का अहित भी कर सकता हूँ।" तब रामचन्द्र जी कहते हैं- "वैद्य का कोई शत्रु-मित्र नहीं होता, वैद्य का एक ही धर्म है, रोगी की पीड़ा दूर करना। रोगी और वैद्य के बीच सिर्फ एक ही रिश्ता है-विश्वास का। विश्वास के भरोसे रोगी वैद्यराज के हाथ में अपनी जीवन-डोर सौंप देता है और वैद्य पूरे मनोयोग से उसकी जीवन-रक्षा करने का प्रयास करता है।जैन आगम उपासकदशांगसूत्र में भगवान महावीर का एक विशेषण आता है- महाभिषग्गुबर-महावैद्य। वैद्य प्राणियों के शरीर के रोगों की चिकित्सा कर उन्हें शान्ति पहुँचाता है, भगवान प्राणियों के आध्यात्मिक, मानसिक रोगों की चिकित्सा करते हैं, उनके जन्म-मरण, जरा-शोक की व्याधि दूर करने वाले महावैद्य हैं। वैद्य शब्द का अर्थ ही है-जो दूसरों की वेदना-पीड़ा को जानता हो, वह है वैद्य। दूसरों की पीड़ा नहीं समझने वाला अथवा दूसरों के दुःख-दर्द में भी जिसका दिल नहीं पसीजता हो, वह वैद्यराज नहीं। दूसरों की पीड़ा से बेपरवाह धन का लोभी वैद्य या डॉक्टर वैद्य नहीं, यमदूत होता है। ऐसे लोभी वैद्यों के लिए कवि कहता है- हे यमराज के बंधु वैद्यराज, तुम्हें दूर से ही नमस्कार करता हूँ। तुम वैद्यराज नहीं, यमराज से भी बढ़-चढ़कर हो, क्योंकि यमराज तो सिर्फ प्राणी के प्राणों का ही हरण करता है, किन्तु तुम तो प्राण भी ले लेते हो और धन भी ले जाते हो।

वास्तव में वैद्य का आदर्श बहुत ऊँचा गुरु के समान माना गया है। क्योंकि उसके हाथ में मनुष्यों के प्राणों की रक्षा होती है। स्वार्थ, लोभ, पक्षपात, आलस्य और लापरवाही ये पाँच महादोष हैं। जिस वैद्य में ये दोष होते हैं वह वैद्य के आदर्श धर्म का पालन नहीं कर सकता।

आज धन-तेरस धन्वन्तरि का जन्म-दिन हमें इस आदर्श की प्रेरणा देता है कि संसार में आये हो तो प्रेम का, सेवा का अमृत बाँटो, दूसरों के दुःख-दर्द-पीड़ा दूर करो। दूसरों की सेवा करना ही तुम्हारा धर्म है। सब जीवों की सुख-शान्ति चाहना ही तुम्हारी अन्त 'इच्छा हो। इन आदर्शों पर

चिन्तन करो और अपने जीवन को इन आदर्शों पर चलाने का संकल्प करो-यह आज धन-तेरस की प्रेरणा है। धन तेरस का अर्थ-धन की वर्षा से नहीं है। लोग आज के दिन चाँदी व ताँबे-स्टील के बर्तन खरीदकर धन-तेरस मनाते हैं, किन्तु असली धन-तेरस है-दुखियों के दुःख-दर्द दूर करने का संकल्प लेना। संस्कृत में इसका अर्थ होता है-धन + ते रसः-तुम्हारा रस यानी प्राण, मनोभाव धन्य हो जाये, दूसरों की सेवा करके तुम्हारा जीवन-रस कृतार्थ हो जाये तो समझो आज धन तेरस हो गई। यदि आज के दिन आपने एक भी दुःखी प्राणी का दुःख-दर्द मिटा दिया। किसी अस्पताल में जाकर रोगियों की सार-सँभाल ले ली, उन्हें सान्त्वना दी और उनको कुछ सुख-शान्ति पहुँचाई तो समझ लो आपकी धनतेरस वास्तव में धन्य तेरस हो गई। अन्यथा धन की पूजा करके चाहे तेरस मनाओ या चौदस, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। दीपावली के पंचपों की आदि में पहला धन-तेरस का पर्व आपको जीवन में परहित एवं परोपकार की प्रेरणा देता है। निःस्वार्थ और निरपेक्ष भाव से जितना बन सके दूसरों की सेवा-सहायता का संकल्प करना और उसके लिए अपनी धन-सम्पत्ति का सदुपयोग करना-यह लक्ष्मी के आमन्त्रण की पूर्व भूमिका है, बैकग्राउण्ड है। जो परोपकार करेगा लक्ष्मी स्वयं उसके द्वार पर आकर दस्तक देगी।

कांतिलाल मांडोत

बिहार की जातिवादी राजनीति- बिहार के विकास की सबसे बड़ी बाधा

बिहार, जो कभी ज्ञान और संस्कृति का केंद्र माना जाता था, आज भी जातिवादी राजनीति के जाल में उलझा हुआ है। यहाँ की राजनीति लंबे समय से जातिगत समीकरणों पर आधारित रही है। चुनाव आते ही विकास, शिक्षा, रोजगार और बुनियादी सुविधाओं जैसे मुद्दे गौण हो जाते हैं, जबकि जाति और समुदाय की पहचान चुनावी जीत का प्रमुख आधार बन जाती है। राजनीतिक दलों ने इस प्रवृत्ति को न केवल बनाए रखा, बल्कि इसे अपनी शक्ति का साधन बना लिया है। उम्मीदवारों के चयन से लेकर चुनाव प्रचार तक, हर कदम पर जातीय समीकरणों का गणित लगाया जाता है। परिणामस्वरूप, जनता जातीय भावनाओं में विभाजित हो जाती है, और सामूहिक विकास की सोच कमजोर पड़ जाती है। यह जातिवादी राजनीति बिहार की प्रगति में सबसे बड़ी बाधा बन गई है। जब वोट जाति के आधार पर पड़ते हैं, तो नेता जवाबदेही से मुक्त हो जाते हैं। विकास योजनाएँ कागजों तक सीमित रह जाती हैं, रोजगार सृजन की नीतियाँ ठंडे बस्ते में चली जाती हैं, और भ्रष्टाचार तथा अपराध को राजनीतिक संरक्षण प्राप्त हो जाता है। उदाहरण- बिहार के गया जिले में हाल के वर्षों में देखा गया कि एक प्रमुख सड़क निर्माण परियोजना, जो ग्रामीण क्षेत्रों को शहर से जोड़ने वाली थी, जातीय समीकरणों के कारण रुकी रही। ठेकेदारों और स्थानीय नेताओं के बीच जाति-आधारित पक्षपात के कारण परियोजना में देरी हुई, जिससे स्थानीय लोगों को बेहतर कनेक्टिविटी और आर्थिक अवसरों का लाभ नहीं मिल सका। यह एक जीता-जागता उदाहरण है कि कैसे जातिवादी मानसिकता विकास कार्यों को प्रभावित करती है। बिहार को प्रगति के पथ पर अग्रसर होने के लिए इस मानसिकता से बाहर निकलना होगा। जनता को यह समझना होगा कि जातीय पहचान से ऊपर उठकर केवल योग्य, ईमानदार और विकासोन्मुख नेतृत्व को चुनना ही राज्य की वास्तविक प्रगति का मार्ग है। जब तक राजनीति "जाति" के बजाय "योग्यता और नीति" पर आधारित नहीं होगी, तब तक बिहार अपनी पूर्ण क्षमता को प्राप्त नहीं कर सकेगा। बिहार की राजनीति को जातिवाद की बेड़ियों से मुक्त कर विकास और समानता की दिशा में मोड़ना समय की माँग है। यदि जनता जागरूक होकर मुद्दों पर आधारित राजनीति को अपनाए, तो बिहार पुनः उस गौरवशाली युग की ओर लौट सकता है, जब वह पूरे देश के लिए एक उदाहरण हुआ करता था। जातिवाद की जड़ें

बिहार में राजनीति की दिशा और दशा पर जातीय समीकरणों का गहरा प्रभाव रहा है। चुनाव आते ही नेता विकास, शिक्षा और रोजगार जैसे मुद्दों से ध्यान हटाकर जाति-आधारित वोट बैंक की राजनीति करने लगते हैं। गाँव-गाँव और मोहल्ले-मोहल्ले में जातीय पहचान के नाम पर समाज को बाँटा जाता है। परिणामस्वरूप, जनता अपने अधिकारों और विकास की बात करने के बजाय ÷हमारी जाति का नेता कौन है" की सोच में उलझी रहती है। विकास पर प्रभाव

जब राजनीति का आधार योग्यता या नीतियों के बजाय जाति बन जाती है, तो प्रशासनिक पदों से लेकर सरकारी योजनाओं तक में पारदर्शिता और निष्पक्षता समाप्त हो जाती है। जातिवाद के कारण योग्य व्यक्तियों को अवसर नहीं मिलते, और भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिलता है। विकास की योजनाएँ कागजों तक सीमित रह जाती हैं। शिक्षा और सामाजिक एकता पर प्रभाव

जातिवादी मानसिकता न केवल राजनीति, बल्कि समाज और शिक्षा प्रणाली को भी प्रभावित करती है। बच्चे भी जाति के चश्मे से समाज को देखने लगते हैं, जिससे सामाजिक एकता कमजोर होती है। यह स्थिति एक नए और प्रगतिशील बिहार के निर्माण में सबसे बड़ी बाधा बन गई है। समाधान की दिशा में कदम

बिहार को प्रगति के पथ पर ले जाने के लिए जातिवाद की जंजीरों को तोड़ना आवश्यक है। इसके लिए- शिक्षा और जागरूकता को प्राथमिकता दी जाए, ताकि लोग मुद्दों पर आधारित मतदान करें।

राजनीतिक दलों को विकास, रोजगार और प्रशासनिक सुधार को अपने चुनावी एजेंडे का आधार बनाना चाहिए।

युवाओं को जातीय सोच से ऊपर उठकर योग्यता और राष्ट्रहित को प्राथमिकता देनी होगी।

मीडिया और बुद्धिजीवी वर्ग को समाज में सकारात्मक विचारों का प्रसार करना होगा।

क्योंकि जातिवाद की विचारधारा ने बिहार को वर्षों पीछे धकेल दिया हे जब तक राजनीति का आधार जातिवाद रहेगा तब तक वह विकास सिर्फ भाषणों में ही रहेगा। अब समय आ गया हे की हम ऐसे नेताओं को चुने जो बिहार के विकास की सोच रखते हो न की सिर्फ जातिवाद की।बाकी सब आप लोगों के हाथमे हे आपका एक निर्णय वो आनेवाले 5 सालों तक की सोच हे यह याद रखके आगे बढ़ना चाहिए और बिहार के विकास को लक्ष्य में रखकर जनता को आगे बढ़ना चाहिए।

चंद्रकांत सी. पूजारी

मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक रवि कुमार अवस्थी द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी 117-मोहल्ला विजय लक्ष्मी नगर परगना खैराबाद तहसील व जनपद -सीतापुर से प्रकाशित तथा महावीर आफसेट 28, हीवेट रोड लखनऊ से मुद्रित। सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में छपे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने श्रोत एवं संकलन हैं, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। **नोटः**-उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादो का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। R.N.I NO. UPHIN/2012/43078 मो0 नं0 -9511151254, E-Mail :- news@swatantraprabhat .com

संक्षिप्त खबरें

बिसवां एल्पिस ग्लोबल स्कूल में विद्यार्थियों के बहुमुखी विकास हेतु चतुर्दिवसीय कार्यक्रम का मनाया गया तृतीय दिवस

बिसवां सीतापुर बिसवां के एल्पिस ग्लोबल स्कूल में विद्यार्थियों के बहुमुखी विकास हेतु दिनांक 13से 16 अक्टूबर 2025 तक चतुर्दिवसीय कार्यक्रम का तृतीय दिवस बड़ी धूमधाम से मनाया गया। इस शो में विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रकार के रोचक एवं शैक्षणिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये,छात्रों ने अपने अभिनय कौशल द्वारा सभ्य समाज को एक नई दिशा देने का संदेश दिया। इस भव्य कार्यक्रम का डायरेक्टर उमंग राजवंशी नें दीपप्रज्वलित करते हुए कार्यक्रम का शुभारंभ किया, कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती वंदना से किया वेलकम गीत, निर्तयनाटिका, शिवतांडव, एवं विभिन्न विषयों पर आधारित रंगारंग कार्यक्रम की प्रस्तुति देखकर प्रमुदित मन से शुभाशीष देते हुए उत्कृष्ट सफल प्रदर्शन हेतु विद्यार्थियों समेत समस्त शिक्षकों को बधाई दी। विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती दीपा चंद्रा नें सभी विद्यार्थियों के कला, कौशल की प्रशंसा करते हुए संस्था की सतत् उन्नति की कामना के साथ उपस्थित सभी शिक्षकों, अभिभावकों एवं कर्मचारियों को कार्यक्रम की सफलता हेतु आभार व्यक्त किया।

दीपावली उपहार वितरण समारोह का हुआ आयोजन

सिद्धार्थनगर। जिले के लोटन क्षेत्र के सेन्ट लॉरेन्स पब्लिक स्कूल महदेइया में बुधवार को दीपावली उपहार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला कारागार अधीक्षक सचिन कुमार वर्मा व विशिष्ट अतिथि डिप्टी जेलर मुकेश प्रकाश रहे। स्कूल के संरक्षक वीरेंद्र नाथ पाण्डेय ने जिला कारागार अधीक्षक को पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया।

उपहार समारोह में आए कारागार अधीक्षक सचिन कुमार वर्मा ने सभी को आगामी दीपावली व धनतेरस की शुभकामनाएं दीं, व त्योहार को सावधानी से मनाने की अपील की और कहा कि इस तरह के कार्यक्रम विद्यालयों में होना बहुत ही जरूरी होता है। इससे बच्चों का मनोबल बढ़ता है। जिससे बच्चों में स्कूल के प्रति लगाव व आगे बढ़ने की भावना का विकास होता है। बच्चों को जिला कारागार अधीक्षक द्वारा बारी बारी से दीपावली का उपहार वितरण किया गया। प्रधानाचार्य लवकुश सिंह ने कहा कि इस कार्यक्रम में बच्चों को दीपावली का उपहार वितरण किया गया। बच्चे उपहार पाकर खुश नजर आए। इस अवसर पर प्रबंधक दीपेन्द्र पाण्डेय, प्रधानाचार्य लवकुश सिंह, लेखाकार रूबी मिश्रा, शिक्षक अक्षय,मनोज, सोनू उपाध्याय, आशुतोष दूबे आदि मौजूद रहे।

शिक्षको का हस्ताक्षर अभियान जारी, काली पट्टी बांधकर शिक्षण कार्य कर टेट की अनिवार्यता का जता रहे विरोध

बस्ती। बस्ती जिले में शिक्षकों द्वारा टेट की अनिवार्यता के सवाल को लेकर काली पट्टी बांधकर विरोध जताया शिक्षको का देश व्यापी हस्ताक्षर अभियान जारी है। साऊंघाट, परसरामपुर, हर्रैया, दुबौलिया, कुदरहा, बहादुरपुर आदि विकास खण्ड क्षेत्रों में शिक्षकों ने समस्या समाधान की मांग को लेकर हस्ताक्षरित ज्ञापन ईमेल के माध्यम से राष्ट्रपति, सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश, प्रधानमंत्री, केन्द्रीय शिक्षा मंत्री, मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश और बेसिक शिक्षा मंत्री को भेजा। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ जिलाध्यक्ष उदय शंकर शुक्ल ने बताया कि सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के बाद जनपद में शिक्षकों का आन्दोलन चरणबद्ध ढंग से जारी है। अभी तक केन्द्र सरकार की ओर से कोई पहल नहीं किया गया। कहा कि सरकार स्वयं हस्तक्षेप कर नियमों में संशोधन कर समस्या का समाधान कराये। बताया कि अखिल भारतीय प्राथमिक शिक्षक संघ राष्ट्रीय नेतृत्व के आवाहन पर शिक्षक काली पट्टी बांधकर शिक्षण कार्य कर रहे हैं। 24 दिवसीय राष्ट्र व्यापी आन्दोलन में क्षेत्रीय अध्यक्ष, मंत्री और पदाधिकारी प्रतिदिन एक-एक न्याय पंचायत के शिक्षकों का हस्ताक्षर करा रहे हैं। संगठन निरन्तर संघर्षरत है और किसी भी दशा में टेट की अनि।

यूपी के ये तीन डॉक्टर होंगे बर्खास्त, उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कार्रवाई के दिए निर्देश

● वाराणसी के कबीर चौरा चिकित्सालय की प्रमुख अधीक्षिका पर होगी विभागीय कार्रवाई

उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य को कार्रवाई के दिए निर्देश

यूपी के ये तीन डॉक्?टर होंगे बर्खास्?त, उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कार्रवाई के दिए निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने लगातार गैरहाजिर तीन डॉक्टरों को बर्खास्त करने के आदेश अपर मुख्य सचिव चिकित्सा स्वास्थ्य अमित घोष को दिए हैं। आगरा के शमशाबाद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में तैनात डॉ. वंदना जैन, श्रावस्ती संयुक्त जिला चिकित्सालय में बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. विपुल अग्रवाल, बाराबंकी के जाटा बरौली सीएचसी के डॉ. देवव्रत लगातार गैरहाजिर चल रहे थे। इसके अलावा छह अन्य डाक्टरों पर भी विभागीय कार्रवाई के आदेश दिए गए हैं।

वाराणसी कबीर चौरा जिला महिला चिकित्सालय में 18 अगस्त को गर्भवती रिजवाना को शाम की ड्यूटी पर तैनात स्टाफ नर्स प्रीतम सिंह ने बिना चिकित्सीय जांच के रेफर कर दिया था। गर्भवती के लिए एंबुलेंस और स्ट्रेचर की व्यवस्था भी नहीं की गई थी। जिससे रिजवाना का प्रसव अस्पताल परिसर में ही हो गया और उसकी जिंदगी संकट में पड़ गई। उप मुख्यमंत्री ने जांच के बाद स्टाफ नर्स प्रीतम सिंह को आरोप पत्र देकर निलंबित करने के आदेश दिए हैं।

महिला चिकित्साधिकारी डॉ. सुमिता गुप्ता पर कर्तव्यों के निर्वहन में लापरवाही पर विभागीय कार्रवाई के आदेश दिए गए हैं।डॉक्टर व कर्मचारियों पर प्रभावी नियंत्रण न रखने, ड्यूटी चार्ट, राउंड की व्यवस्था, रोगियों के बेड हेड टिकट पर जांचों को नियमित दर्ज न करने, चिकित्सालय का स्वयं नियमित निरीक्षण न करने के लिए प्रमुख अधीक्षिका डॉ नीना वर्मा के खिलाफ भी विभागीय कार्रवाई के आदेश दिए गए हैं।

मिर्जापुर विंध्याचल मंडल के अपर आयुक्त (प्रशासन) डा. विश्राम सिंह की पत्नी रमा यादव के इलाज में लापरवाही बरतने पर डॉ पंकज पांडेय, डॉ विनय कुमार, डॉ सुनील सिंह, डॉ तरुण सिंह के खिलाफ विभागीय और सेवानिवृत्त हो चुकी स्टाफ

नर्स सुषमा पांडेय के खिलाफ कार्रवाई के आदेश डिप्टी सीएम ने दिए हैं। चिकित्साधिकारियों पर आरोप है कि उन्होंने समय पर मरीज की ईसीजी नहीं कराई थी। डॉ. विनय, डॉ. सुनील सिंह, डॉ. तरुण वर्तमान में मुख्य चिकित्साधिकारी (सीएमओ) सोनभद्र के अधीन तैनात हैं। डॉ पंकज पांडेय वर्तमान में स्वशासी चिकित्सा महाविद्यालय मीरजापुर के पल्मोनरी विभाग में सहायक आचार्य के पद पर कार्य कर रहे हैं। अयोध्या के कुमारगंज में स्थित 100 बेड संयुक्त चिकित्सालय में मरीजों को बाहर की दवा लिखने व प्राइवेट प्रैक्टिस करने के मामले में उप मुख्यमंत्री ने महिला रोग विशेषज्ञ डॉ. शीला वर्मा और फिजीशियन डॉ. अरविंद मौर्या के खिलाफ अनुशासनिक कार्रवाई के आदेश अपर मुख्य सचिव को दिए हैं।

टेलकम पाउडर में रिफाइंड और केमिकल मिलाकर तैयार क?िया गया नकली खोआ बरामद, दीपावली में खपाने की थी तैयारी

लखनऊ। क्या आप कल्पना कर सकते हैं कि जिसे आप असली खोआ समझकर खा रहे हैं उसमें दूध का अंश मात्र नहीं है। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग की टीम ने बुधवार को आदर्श विहार कालोनी रोड़पारा में एक मकान में छापा मारकर आठ क्विंटल से अधिक नकली खोआ और बड़ी मात्रा में इसे तैयार की जाने वाली सामग्री बरामद की। बरामद खोआ टेलकम पाउडर, रिफाइंड, स्टार्च और रसायन मिलाकर तैयार किया जा रहा था जो लोगों की सेहत के लिए गंभीर खतरा बन सकता था। एफएसडीए ने नकली खोआ तैयार कर रहे मिलावटखोर दीपक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस ने दीपक को गिरफ्तार कर लिया है। दीपावली पर मिलावट के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। एफएसडीए को सूचना मिली थी कि पारा रिंग रोड के पास एक मकान में नकली खोआ बनाकर बाजार में सप्लाई किया जा रहा है। सूचना के आधार पर सहायक आयुक्त खाद्य विजय प्रताप सिंह टीम लेकर मौके पर गए और जांच की।

5 करोड़ की लागत से बनेगा भव्य गुरुकुल- राष्ट्रीय युवा वाहिनी नेशनल वालंटियर भाजपा का भव्य कार्यक्रम संपन्न

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बिसवां/सीतापुर। राष्ट्रीय युवा वाहिनी नेशनल वालंटियर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष हिंदू देव प्रकाश शुक्ला जी के नेतृत्व में सीतापुर थाना क्षेत्र के बिसवा में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष किन्नर प्रकोष्ठ श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर जूना अखाड़ा काजल किन्नर उर्फ कनकेश्वरी गिरी, राष्ट्रीय अध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ रोशनी शुक्ला, एवं राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष विशाल कुमार विशेष रूप से उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य गुरुकुल का शुभारंभ एवं सनातन धर्म पर प्रकाश डालना रहा। प्रदेश अध्यक्ष किन्नर प्रकोष्ठ सोनी जी के यहां आयोजित इस कार्यक्रम में हजारों की संख्या में पदाधिकारी व भक्तगण उपस्थित रहे। राष्ट्रीय अध्यक्ष हिंदू देव प्रकाश शुक्ला जी ने बताया कि मंदिर परिसर में 5 करोड़ की लागत से एक भव्य गुरुकुल का निर्माण किया जाएगा, जहां वैदिक शिक्षा, संस्कार और सनातन संस्कृति का प्रचार-प्रसार किया जाएगा। महिला प्रकोष्ठ की राष्ट्रीय अध्यक्ष रोशनी शुक्ला ने महिलाओं को शक्तिकरण एवं आत्मरक्षा (तलवारबाजी) की दिशा में प्रेरित किया और युवतियों से अपील की कि

वे सोशल मीडिया पर गंदे या भ्रामक वीडियो न बनाएं, बल्कि संस्कृति व राष्ट्र निर्माण से जुड़े संदेश प्रसारित करें। कार्यक्रम में आशीष शुक्ला, गौरव तिवारी, एसी मिश्रा, प्रदीप शुक्ला सहित अनेक गणमान्य लोग एवं संस्था के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय युवा वाहिनी नेशनल वालंटियर भाजपा संस्था के नियम, उद्देश्य एवं शर्तें —

1. गौ, गीता, गायत्री की रक्षा करना।
2. सनातन धर्म का प्रचार-प्रसार करना।
3. नारी सशक्तिकरण एवं युवाओं को वैदिक संस्कारों से जोड़ना।
4. समाज में शिक्षा, संस्कार और सेवा की भावना को बढ़ावा देना।
5. राष्ट्र हित सर्वोपरि- भारत को वैदिक सनातन राष्ट्र के रूप में स्थापित करना।

"संस्कार से ही राष्ट्र सशक्त होता है, और धर्म ही राष्ट्र की आत्मा है।"

ग्राम पंचायत करनपुर में मिशन शक्ति कार्यक्रम का आयोजन, महिलाओं की सुरक्षा व सशक्तिकरण पर जोर

● ....प्रधान मदन मोहन सिंह और पंचायत सचिव शुभम मिश्रा की अगुवाई में हुआ कार्यक्रम, पुलिस अधिकारियों ने महिलाओं को जागरूकता और आत्मरक्षा की दी सीख।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के मोहनलालगंज ब्लॉक की ग्राम पंचायत करनपुर में बुधवार को मिशन शक्ति कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। ग्राम प्रधान मदन मोहन सिंह और पंचायत सचिव शुभम मिश्रा की अगुवाई में आयोजित इस कार्यक्रम में पुलिस विभाग के अधिकारी और कर्मचारी विशेष रूप से मौजूद रहे। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं को सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन के प्रति जागरूक

करना था। इस दौरान पुलिस विभाग की ओर से महिलाओं को सुरक्षा संबंधी अधिकारों, महिला हेल्पलाइन नंबरों (1090, 112, 181) और आत्मरक्षा के तरीकों की जानकारी दी गई। अधिकारियों ने महिलाओं से अपील की कि किसी भी प्रकार की उत्पीड़न या असमान व्यवहार की स्थिति में वे निडर होकर कानूनी मदद लें और अपनी आवाज बुलंद करें।

कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि मिशन शक्ति अभियान के माध्यम से सरकार महिलाओं को समाज में सुरक्षित, आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। इस अभियान का लक्ष्य महिलाओं में आत्मविश्वास जगाना

और समाज में उनकी भूमिका को और मजबूत करना है।

ग्राम पंचायत करनपुर में आयोजित इस कार्यक्रम में सैकड़ों ग्रामीण महिलाएं और पुरुष मौजूद रहे। उपस्थित ग्रामीणों ने मिशन शक्ति के उद्देश्यों की सराहना की और यह संकल्प लिया कि गांव में महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान सुनिश्चित करने के लिए सभी मिलकर कार्य करेंगे। कार्यक्रम के अंत में पुलिस अधिकारियों और पंचायत प्रतिनिधियों ने ग्रामीणों से महिला सशक्तिकरण की दिशा में सक्रिय सहयोग देने की अपील की। कार्यक्रम का समापन महिलाओं की सुरक्षा और जागरूकता की शपथ के साथ किया गया।

सुन्दरवल कस्बे में चल रहा बिना मान्यता कॉलेज

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखीमपुर खीरी। उत्तर प्रदेश की सरकार शिक्षा व्यवस्था को ठीक करने के लिए दिशा निर्देश देती रहती है लेकिन इनके अधिकारी गांव के बच्चों का भविष्य सुधारने के नाम पर फर्जी स्कूल चलवा रहे हैं जिस कारण कक्षा 5 की मान्यता लेकर कई स्कूल इंटर तक चलाएं जा रहे हैं खंड शिक्षा अधिकारी जानते हुए भी कोई कार्यवाही नहीं करते हैं।

मिली जानकारी के अनुसार ब्लॉक फूलबेहड़ में चल रहे इन स्कूलों को कार्यवाही के नाम पर नोटिस देते हैं नोटिस पा करके फर्जी स्कूल चलाने वाले खंड शिक्षा अधिकारी के सामने नत मस्तक होकर के सांठ गांठ कर खुलेआम अपना स्कूल चलाते रहते हैं इस तरह से यह स्कूल गांव गरीब के बच्चे का भविष्य सुधारने के बजाए बिगाड़ने में लगे हुए हैं। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार सुंदरवल निवासी इंद्रपाल विश्वकर्मा गुरु नानक इंटर कॉलेज लखीमपुर में शिक्षक के पद पर तैनात हैं

इन्होंने ब्लॉक फूलबेहड़ के गांव सुंदरवल में कक्षा 5 की मान्यता की आड़ में इंटर तक उनके परिवार के लोग स्कूल चलाकर सरकार को चुनौती दे रहे हैं। जब एक इंटर कॉलेज का इंटर कॉलेज का अध्यापक ऐसे भ्रष्टाचार करेगा तो सामान्य लोगों को क्या कहा जाए। उनके व परिवार द्वारा कस्बा सुंदरवल में एसपीएचएल मेमोरियल स्कूल की कक्षा 5 की मान्यता लेकर इंटर तक स्कूल इनका बेटा ही चलता है। बताया जाता है कि इस विद्यालय की मान्यता दिलाने में जिन लोगों की अंक तालिकाएं लगी है वह शिक्षक भी इस विद्यालय में नहीं पढ़ाते हैं जो शिक्षक पढ़ाते हैं वह अनट्रेंड है उनको वेतन मात्र 3 हजार रुपए दिया जा रहा है जो छात्र अच्छे से 12 तक पढ़ रहे हैं उनका नाम किस स्कूल में किस कॉलेज में दर्ज है यह तो निष्पक्षता से की गई जांच में ही पता चलेगा। गांव के लोग बताते हैं कि इस विद्यालय को खंड शिक्षा अधिकारी फूलबेहड़ में द्वारा कई बार नोटिस दी गई जिसे पाने के बाद जब स्कूल चलाने वाला मास्टरमाइंड उनके पास जाता है तब कार्यवाही के बजाय सेटलमेंट हो जाता है। इस तरीके से तमाम स्कूल बीआरसी फूलबेहड़ की कृपा से चारों तरफ कुकुरमुत्ता की तरह चल रहे हैं शिक्षा विभाग के अफसर कमाऊ पूत होने के कारण इन स्कूल चलाने वालों मेहरबान रहते हैं लेकिन यहां पढ़ने वाले बच्चों के भविष्य पर संकट गहराता जा रहा है।

केपी सिंह मेमोरियल हॉस्पिटल परसराय द्वारा फ्री स्वास्थ्य कैंप तथा जांच शिविर का किया गया आयोजन

लहरपुर सीतापुर जनरल इंश्योरेंस कारपोरेशन ऑफ़ इंडिया के तत्वाधान में श्री पीताम्बरा शिक्षा समिति एवं के पी सिंह मेमोरियल हॉस्पिटल पारा सराय द्वारा ग्राम सभा रौरापुर ब्लॉक परसेंडी में एक फ्री स्वास्थ्य कैंप तथा जांच शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें 139 रोगियों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उनको दवाइयां व निशुल्क जांच की गई कार्यक्रम का शुभारंभ ग्राम सभा प्रधान अरुण सिंह के द्वारा फीता काटकर किया गया कार्यक्रम में वरिष्ठ चिकित्सक डॉक्टर के डी जोशी एमडी मेडिसिन तथा हड्डी रोग के ऑर्थो सर्जन डॉक्टर सुधीर चौधरी डॉक्टर मधुलिका राय डॉ अनूप सरवैया समेत नर्सिंग स्टाफ तथा मेडिकल टीम के लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मुख्य रूप से ऐश्वर्य प्रताप सिंह अंशुमान सिंह आदि लोग मौजूद रहे कार्यक्रम का संचालन सामाजिक कार्यकर्ता मोहम्मद हसीन अंसारी ने किया।

आर्यकुल कॉलेज ऑफ फार्मेसी एंड रिसर्च, सीतापुर में विश्व विद्यार्थी दिवस पर हर्षोल्लास के साथ मनाई गई डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम की जयंती

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर, 15 अक्टूबर 2025- आर्यकुल कॉलेज ऑफ फार्मेसी एंड रिसर्च, सीतापुर में भारत के पूर्व राष्ट्रपति, महान वैज्ञानिक एवं मिसाइल मैन डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम की जयंती को "विश्व विद्यार्थी दिवस" के रूप में बड़े उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन एवं डॉ. कलाम के चित्र पर माल्यार्पण से हुई। प्राचार्या डॉ. स्तुति वर्मा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि डॉ. कलाम का जीवन संघर्ष, समर्पण और सादगी का प्रतीक है। उन्होंने विद्यार्थियों से प्रेरणा लेने और देश सेवा के लिए समर्पित रहने का आह्वान किया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने भाषण, कविता, पोस्टर मेकिंग, और निबंध प्रतियोगिता जैसी विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया। छात्रों ने डॉ. कलाम के जीवन, उनके विचारों और देश के प्रति योगदान पर अपने विचार प्रस्तुत किए।

पूरे कार्यक्रम में उत्साह और प्रेरणा का वातावरण रहा। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में रचनात्मकता, नवाचार और राष्ट्रप्रेम की भावना को प्रोत्साहित करना था। इस अवसर पर कॉलेज के प्रबंध निदेशक डॉ. सशक्त सिंह, संकाय प्राचार्या डॉ. स्तुति वर्मा, डीन एकेडमिक श्रीमती रुचि सिंह, उपनिदेशक डॉ. आदित्य सिंह, डॉ. अब्दुल रब खान, विभागाध्यक्ष डॉ. राहुल शर्मा, रजिस्ट्रार श्री रोहित सिंह, तथा अध्यापकगण राजीव कुमार, ऋषभ शुक्ल, तबस्सुम बानो, अनुभा धुरिया, रेहान, तान्या उपाध्याय, नीलम वर्मा, प्रांजुल वर्मा, साहिल सिंह, तिलक राज, अरुण सिंह, प्रीति यादव, प्रवीण, अबरार, रमा सिंह आदि की गरिमामयी उपस्थिति रही।

इंस्टिट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया) विश्व मानक दिवस (World Standards Day)-2025

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ- "एक साझा दृष्टि बेहतर दुनिया के लिए- लक्ष्यों हेतु साझेदारी पर विशेष ध्यान (Shared Vision for a Better World: Spotlight on SDG v| - Partnership for the Goals)" इंस्टिट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया), उत्तर प्रदेश राज्य केन्द्र, लखनऊ द्वारा विश्व मानक दिवस (World Standards Day) मनाया गया। इस वर्ष का विषय है -"एक साझा दृष्टि बेहतर दुनिया के लिए –लक्ष्यों हेतु साझेदारी पर विशेष ध्यान (Shared Vision for a Better World: Spotlight on SDG 17 - Partnership for the Goals)" इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता (Keynote Speaker) रहे - ई. अशोक कुमार सिंह, रुद्धश्व, पूर्व प्रमुख अभियंता (E.N.C.), एवं विभागाध्यक्ष (HOD), उत्तर प्रदेश सिंचाई विभाग। मुख्य वक्ता, ई. अशोक कुमार सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि मानक (Standards) केवल तकनीकी प्रगति का आधार नहीं हैं, बल्कि वे विश्व स्तर पर सहयोग, पारदर्शिता और स्थिरता (Sustainability) को सुनिश्चित करने का माध्यम भी हैं। उन्होंने बताया कि SDG17 (Partnership for the Goals) का मूल भाव यह है कि जब विभिन्न संस्थान, संगठन, सरकारें और समाज के वर्ग मिलकर काम करते हैं, तभी सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति संभव होती है। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय मानक हमारे उद्योगों, पर्यावरण और समाज को जोड़ने का पुल हैं। मानकीकरण के माध्यम से न केवल उत्पादों की गुणवत्ता और सुरक्षा सुनिश्चित होती है, बल्कि यह वैश्विक प्रतिस्पर्धा और नवाचार को भी प्रोत्साहित करता है। कार्यक्रम के प्रारंभ में आईपी अध्यक्ष एवं परिषद् सदस्य, इंजी. मसर्रत नूर खान, एफआईई एससीसी लखनऊ ने अतिथियों का स्वागत किया तथा विषय-वस्तु पर अपने

विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम के संयोजक रहे, इ. एम के गुप्ता FIE ने बताया कि इंस्टिट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स सदैव ऐसे कार्यक्रमों के माध्यम से अभियंताओं, विशेषज्ञों और समाज के बीच तकनीकी जागरूकता फैलाने का कार्य करता रहा है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष का विषय "एक साझा दृष्टि बेहतर दुनिया के लिए" हमें यह प्रेरणा देता है कि हम सभी अपने-अपने क्षेत्र में सहयोग और साझेदारी के माध्यम से बेहतर भविष्य का निर्माण करें। अंत में संस्थान के निर्वाचित मानद सचिव इ. एन0 के0 निषाद जी ने सभी गणमान्य अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापन किया।

उप्र-बच्चे की हत्या कर शव संदूक में छुपाया, आरोपी गिरफ्तार

बुलंदशहर जिले के नरसैना क्षेत्र में 18 महीने के एक बच्चे का शव संदूक में छुपा दिया गया। पुलिस सूत्रों ने बृहस्पतिवार को यहां बताया कि नरसैना थाना क्षेत्र के नित्यानन्दपुर नंगलिया गांव से 18 महीने के एक बच्चे के गुम होने की सूचना मिली थी। इस संबंध में मुकदमा दर्ज कर छानबीन की गई तो बच्चे का शव उसके पड़ोसी अंकुश के घर से बरामद हुआ। शव के पंचायतनामा की कार्यवाही कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। उन्होंने बताया कि अंकुश को गिरफ्तार कर पूछताछ की गई तो आरोपी ने बच्चे की हत्या का जुर्म कुबूल कर लिया। प्रथम दृष्ट्या प्रतीत होता है कि बच्चे का गला दबाकर हत्या की गई है। ग्रामीण सचिन ने बताया कि अंकुश बच्चे को उठाकर अपने घर में ले गया। लोगों ने उसकी तलाश की। पुलिस ने संदेह होने पर अंकुश के घर में रखा संदूक खोलने को कहा। उसमें रजाई के बीच में बच्चे का शव पाया गया।

लिाखों के गहने और नगदी चोरी मलिहाबाद में बड़ी वारदात

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मलिहाबाद। बीती रात अज्ञात चोरों ने रहीमाबाद थाना क्षेत्र में एक घर को निशाना बनाते हुए लाखों रुपये के गहने और नगदी चोरी कर लिए। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का मुआयना किया और जल्द ही मामले का खुलासा करने का आश्वासन दिया है।रहीमाबाद निवासी श्रवण कुमार ने पुलिस को बताया कि रात करीब 12 बजे खाना खाने के बाद उनका परिवार नीचे के बाहरी कमरे में सो गया, जबकि श्रवण कुमार स्वयं छत पर सोने चले गए। इसी बीच, अज्ञात चोरों ने मौका पाकर वारदात को अंजाम दिया।चोर बाहर की दीवार के सहारे छत पर चढ़े और सीढ़ियों से नीचे उतरकर घर के उस कमरे तक पहुंचे जहां कीमती सामान रखा था। इस कमरे में बाहर से ताला लगा था, जिसे चोरों ने कुंडी के पेच खोलकर पल्ले को खोल लिया और

अंदर दाखिल हो गए। चोरों ने कमरे में रखे बक्से और अलमारी को खंगाला और सोने का मंगल सूत्र,सोने की अंगूठी,चांदी की पाजेब और पायल,पाँच हजार रुपए नगद

सुबह जब श्रवण कुमार छत से नीचे आए तो उन्होंने घर का बाहरी दरवाजा खुला पाया। अंदर जाकर देखा तो सामान वाले कमरे के पल्ले खुले थे, और बक्सा व अलमारी भी खुली पड़ी थी। बक्से से नगदी और जेवर गायब थे। पीड़ित श्रवण कुमार ने तत्काल रहीमाबाद थाने में तहरीर दी। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और घटना की गहनता से जांच में जुट गई है। पुलिस ने पीड़ित परिवार को आश्वासन दिया है कि चोरों को जल्द ही पकड़ लिया जाएगा।

जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान खैराबाद में गणित प्रदर्शनी प्रतियोगिता का किया गया आयोजन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान खैराबाद सीतापुर में दिनांक 15-10-2025 को गणित प्रदर्शनी प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। इस प्रदर्शनी का उद्देश्य गणित के प्रति रुचि, रचनात्मकता और व्यावहारिक समझ को बढ़ावा देना था। कार्यक्रम का शुभारंभ डायट के प्राचार्य डॉ महेंद्र प्रताप सिंह जी द्वारा सरस्वती माँ के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं पुष्प अर्पित कर किया गया। इसके पश्चात उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि ÷गणित केवल अंकों का खेल नहीं, बल्कि जीवन के हर क्षेत्र से जुड़ा एक तर्कसंगत विज्ञान है। ऐसी प्रतियोगिताएँ सकारात्मक दृष्टिकोण को विकसित करती हैं। "प्रदर्शनी में कक्षा 6 से 10 तक के पाठ्यक्रम को शामिल करते हुए परिषदीय उच्च प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालयों के प्रतिभागियों ने भाग लिया। *प्रतिभागियों ने विभिन्न विषयों पर आकर्षक मॉडल और चार्ट प्रस्तुत किए- जिनमें "ज्यामिति का दैनिक जीवन में प्रयोग", "आकृतियों की समानता", "गणित और वास्तुकला", "मैथेमेटिक्स इन नेचर" आदि प्रमुख रहे। निर्णायक मंडल सदस्य (श्री विपिन कुमार सिंह असिस्टेंट प्रोफेसर, गवर्नमेंट डिग्री कालेज,सीतापुर एवं डॉ मो0 इमरान असिस्टेंट प्रोफेसर आचार्य नरेंद्रदेव,टी 0टी0 कालेज) ने सभी प्रस्तुतियों का मूल्यांकन सृजनात्मकता, नवाचार, मौलिकता, सटीकता और प्रस्तुति के आधार पर किया।जिसमें प्रथम स्थान्तरित क्षेत्र सीतापुर ने प्राप्त किया। दूसरे तथा तीसरे स्थान पर क्रमशः रेउसा तथा गोंदलामऊ ब्लॉक रहे। कार्यक्रम के अंत में विजेता प्रतिभागियों को स्मृति चिन्ह एवं प्रमाणपत्र प्रदान किए गए। इसके साथ ही जनपद स्तरीय ओलंपियाड गणित प्रतियोगिता में चयनित पांच बच्चों को भी प्राचार्य महोदय ने चिन्ह एवं प्रमाण पत्र वितरित किए। निर्णायक मंडल के सदस्यों ने प्रतिभागियों

के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएँ न केवल गणितीय ज्ञान को समृद्ध करती हैं, बल्कि आत्मविश्वास और प्रस्तुति कौशल भी विकसित करती हैं। समापन भाषण में प्रतियोगिता नोडल गणित प्रवक्ता श्रीमती मनीषा ने सभी प्रतिभागियों, निर्णायकों और समस्त सम्मानित प्रवक्तागण एवं प्रशिक्षुओं का आभार व्यक्त किया। पूरे संस्थान में उत्साह और उल्लास का वातावरण देखा गया। इस आयोजन ने यह संदेश दिया कि गणित केवल किताबों तक सीमित नहीं, बल्कि जीवन का अभिन्न हिस्सा है।

कृषि महाविद्यालय में वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का शुभारंभ

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर- 14 अक्टूबर चंद्रभानु गुप्त कृषि स्नातकोत्तर महाविद्यालय में वार्षिक खेल को प्रतियोगिता की शुरुआत की गई ।इस अवसर पर महाविद्यालय के शोध निदेशक प्रो गजेंद्र सिंह एवं प्रशासनिक अधिकारी शिवमंगल चौरसिया ने बैलून छोड़कर प्रतियोगिता की शुरुआत की। महाविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ सत्येंद्र कुमार सिंह ने बताया कि वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता में 16 इवेंट्स करायी जाएंगी, प्रतियोगिता 18 अक्टूबर तक चलेगी, प्रथम दिन क्रिकेट मैच की शुरुआत की गई। महाविद्यालय खेल प्रशिक्षक आरपी सिंह ने बताया कि प्रतियोगिता में प्रमुख रूप से क्रिकेट, दौड़, कबड्डी, वॉलीबॉल, खो- खो, रंगोली, फुटबॉल, जबलिग थ्रो, डिस्क थ्रो, हाई जम्प एवं लांग जम्प सहित 16 प्रमुख इवेंट्स कराये जाएंगे प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने वाले प्रथम द्वितीय तृतीय खिलाड़ियों को 18 अक्टूबर को पुरस्कार वितरण किये जाएंगे। प्रतियोगिता मे प्राचार्य डॉ योगेंद्र कुमार सिंह, धनेंद्र कुमार सिंह, डॉ आशुतोष श्रीवास्तव, डॉ राजीव कृष्ण बाजपेई, डॉ केडी सिंह, डॉ सुधीर कुमार रघुवंशी, डॉ विवेक कुमार वर्मा, प्रतिमा सिंह, डॉ उपमा त्रिपाठी, डॉ रश्मि पांडे, डॉ दीप्ति श्रीवास्तव, डॉ स्वाहा सी चंदा, डॉ पी के सिह, डॉ पुष्पा यादव, डॉ धर्मेश कुमार सिंह, डॉ अनिल कुमार वर्मा, धीरेंद्र कुमार सिंह, ई विपुल अग्रवाल, डॉ कमलाकांत, डॉ यू ए सिद्दीकी, डॉ जशकरन, डॉ एस पी सिंह, डॉ गुरप्रीत भाटिया, डॉ आनंद सिंह, डॉ रवि शंकर वर्मा, डॉ सुधाकर सिंह, डॉ दीपक पांडे, डॉ पी के मिश्रा, डॉ अरविन्द कुमार, डॉ हृदय नारायण तिवारी,राम प्रकाश , श्री जितेन्द्र कुमार बाजपेई, श्याम, पवन, राम नरेश, चंद्रशेखर, संतपाल, श्री रणजीत सिंह, श्री प्रदीप कुमार सिंह, उमेश कुमार सहित सभी शिक्षक एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

स्कूलों में मना दीपोत्सव, छात्रों ने अभिभावकों से की वोट की अपील

गोपालगंज (बिहार)- मतदाता जागरूकता को लेकर जिला स्वीप कोषांग की ओर से निर्धारित गतिविधि कैलेंडर के अनुसार बुधवार को दीपोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें सभी विभागों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया. सरकारी स्कूलों में भी हर्षोल्लास के साथ दीपोत्सव मनाया गया. इसमें शिक्षक- शिक्षिका तथा छात्र-छात्राओं में उत्साह के साथ हिस्सा लिया. शिक्षक तथा छात्रों ने मिलकर पहले रंगोली बनाई, जिसमें मतदान के स्लोगन तथा मतदान की तिथि 6 नवंबर को प्रस्तुत किया. वहीं दीप जलाकर रंगोली को भव्य तरीके से सजाया. इसके बाद शिक्षक तथा छात्रों ने रंगोली के साथ सेल्फी भी खींची. शिक्षकों ने छात्रों से मतदान के महत्व को बताया और अभिभावकों को मतदान के प्रति जागरूक करने की अपील की. भोरे प्रखंड के गांधी स्मारक प्लस टू स्कूल, माझा प्रखंड के नवसृजित प्राथमिक विद्यालय कोइरी टोला, प्लस टू स्कूल देवपुर पुरदिल टोला, अपग्रेड मिडल स्कूल माझा समेत जिले भर के स्कूलों में में भव्य तरीके से दीपोत्सव का आयोजन किया गया

गोपाष्टमी पर्व की तैयारियों को लेकर मलिहाबाद में हुई बैठक, तय हुई कार्यक्रमों की रूपरेखा

मलिहाबाद। श्री गोपेश्वर गौशाला मलिहाबाद मे गोपाष्टमी पर्व पर होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों को लेकर बुधवार को देवम लान महमूद नगर पर एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। गौशाला प्रमुख उमाकांत गुप्ता और लान संचालक विकास पाठक की अगुवाई मे विभिन्न कार्यक्रमों की रूपरेखा तय की गयी। बैठक मे राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ, बजरंग दल व अन्य हिन्दू संगठनों के कार्यकर्ताओं की मौजूदगी मे गौ संकीर्तन यात्रा का रोडमैप तैयार किया गया। साथ ही तीन दिवसीय महोत्सव मे सतसंग, मंगला आरती, एवं भण्डारे जैसे कार्यक्रमों की जिम्मेदारी तय की गयी। बैठक मे आशीष द्विवेदी, पंकज गुप्ता रूपेश मिश्रा, अन्ना द्विवेदी, जयगोविन्द अवस्थी, सुनील कश्यप, जितेन्द्र अवस्थी, निवेश गुप्ता, जितेन्द्र शुक्ला समेत तमाम लोग मौजूद रहें।

परिवहन मंत्री ने दिव्यांगों को बांटे सहायक उपकरण-बलिया में शिविर, बोले- समाज का मुख्य हिस्सा हैं दिव्यांगजन

बलिया कलेक्ट्रेट परिसर में बुधवार को कृत्रिम अंग/सहायक उपकरण योजना के तहत एक विशेष वितरण शिविर आयोजित किया गया। इस शिविर में उत्तर प्रदेश के परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने दिव्यांगजनों को विभिन्न सहायक उपकरण वितरित किए। शिविर के दौरान कुल 60 ट्राई साइकिल, 65 स्मार्ट केन, 23 लोप्रोसी किट, 116 एम.आर. किट और 52 कान की मशीनें वितरित की गई। ये उपकरण दिव्यांगजनों को दैनिक जीवन में सुविधा और आत्मनिर्भरता प्रदान करने के उद्देश्य से दिए गए।

परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने कहा कि सरकार दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने जोर दिया कि ऐसे शिविरों के माध्यम से उनकी जरूरतों को प्राथमिकता दी जा रही है। मंत्री ने कहा कि दिव्यांगजन समाज का अभिन्न अंग हैं और उन्हें समाज की मुख्यधारा में लाने के लिए सभी आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराए जाएंगे। उन्होंने यह भी बताया कि सरकार हर वर्ग के लोगों की चिंता कर रही है। इस कार्यक्रम में जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह, मुख्य विकास अधिकारी ओजस्वी, नगर पालिका चेयरमैन संत कुमार गुप्ता, सीआरओ त्रिभुवन, जिला विकलांगजन कल्याण अधिकारी राजन कुमार, सुशील कुमार सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

China ने दिमाग ठिकाने लाया, भारत के दरवाजे गिड़गिड़ाने अमेरिका आया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

चीन ने अमेरिका को टाइट कर रखा है। ऐसें में उसे घूम फिरकर अब भारत की याद आने लगी है। लेकिन भारत तो इस बार पूरी तरह से चौकन्ना है और उसने चेक एंड बैलेंस की रणनीति अपनाई हुई है। अब अमेरिका के साथ वैसा ही व्यवहार होगा जैसा अमेरिका करेगा। चीन और अमेरिका दो दो हाथ करने के लिए आमने सामने खड़े हैं। चीन ने रेयर अर्थ मिनरल्स के मामले में अमेरिका की बाहें मरोड़ दी हैं। तो अब अमेरिका चीन को धमका रहा है और फिर से भारत को अपने करीब लाने में लगा है। लेकिन दूध का जला तो छाछ भी फूंक फूंक कर पीता है वाली कहावत को ध्यान में रखते हुए अब अमेरिका के प्रति भारत भी संतुलित रवैया अपनाने वाला है। भारत को ऐसा करना भी चाहिए और हर समझदार को ऐसा करना चाहिए।

ट्रंप ने बीते दिनों चीन पर 100% का टैरिफ लगाने की चेतावनी दी। जिसके बाद ड्रैगन भड़क उठा है। अब चीन ने ऐसा कदम उठाने की बात कही है जिसका असर अमेरिका, यूरोप सहित दुनिया के तमाम देशों पर पड़ने वाला है। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने चीन पर 100% टैरिफ लगाने की घोषणा की है। नया टैरिफ 1 नवंबर से लागू होगा। चीन से अमेरिका आने वाले सामानों पर पहले से 30% टैरिफ लग रहा है। ऐसे में चीन पर कुल 130% टैरिफ लगेगा। यानी एक बार फिर अमेरिका और चीन के बीच ट्रेड वॉर छिड़ने वाला है, जिसका असर दुनियाभर में देखने को मिलेगा।

चीन की ओर से प्रतिबंध कड़े किए जा रहे हैं और इन सबके बीच अमेरिका के होश फाख्ता हो रहे हैं। दरअसल चीन के साथ तनाव के बीच अमेरिकी वित्त मंत्री हैं स्कॉट बेंसेट। उन्होंने कहा कि अगर बीजिंग अपना रुख नहीं बदलता है तो फिर यूएस जोरदार जवाब देने के लिए पूरी तैयारी से है। उन्होंने सख्त लहजे में चेतावनी दी। कहा अमेरिका बातचीत के लिए तैयार है। लेकिन अगर चीन अपना रुख नहीं बदलता तो

वाशिंगटन कड़ा जवाब देगा। चीन ने संकेत दिया कि वह राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की 100 प्रतिशत शुल्क की धमकी के बावजूद पीछे नहीं हटेगा। उसने अमेरिका से आग्रह किया कि वह धमकियों के बजाय बातचीत के जरिये मतभेदों को सुलझाए। दरअसल रेयर अर्थ मिनरल्स के बाजार में चाइना की बहुत अच्छी पकड़ है और भारत की भी निर्भरता कई देशों पर रही है। भारत नए-नए बाजार अपने लिए तलाश रहा है और अमेरिका को इसका बड़ा नुकसान हो रहा है। ऐसे में अब अमेरिका चाइना को आंखें रेड़ रहा है और उम्मीद जता रहा है कि भारत उसकी मदद करेगा।

उत्तराखंड के गांवों में ये कैसी आफत, 30 घंटे में 9 की मौत, जांच में जुटी 16 टीमें

उत्तराखंड के अल्मोड़ा जिले में रहस्यमयी संक्रमण से अब तक 9 लोगों की मौत हो चुकी है. लोग यहां दहशत में जी रहे हैं. स्वास्थ्य अमले में भी हड़कंप मचा हुआ है. डॉक्टरों की कई टीमें गांव-गांव जाकर लोगों की जांच कर रही हैं, ताकि बीमारी का पता चल सके और कोई भी अनहोनी होने से पहले लोगों को उचित इलाज दिया जा सके. शुरूआती जांच में हैरान करने वाला खुलासा है. प्रशासन ने लोगों को सावधानी बरतने की सलाह दी है. अल्मोड़ा जिले के धौलादेवी ब्लॉक के धुराटाक, विवड़ी और देवलीबगड़ गांवों के लोग बीते 2 हफ्ते से दहशत में जी रहे हैं. यहां अचानक फैले एक रहस्यमयी संक्रमण से अब तक 9 लोगों की मौत हो गई है, जबकि करीब 60 लोग बीमार हैं, जिनमें से कई लोगों का इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है. यहां लोगों को अचानक पहले बुखार हुआ और फिर 9 लोगों की मौत हो गई. गांव वालों ने बताया कि पहले उनका लगा कि मौसम बदलने के कारण जुकाम-बुखार जैसी समस्या हो रही है,गंभीर रूप से घायल 13 लोगों को अल्मोड़ा अस्पताल में भर्ती कराया, जिनमें से 4 में टाइफाइड की पुष्टि हुई है. शुरुआती जांच में ऊर्धेश्वर के पानी के टैंक कोलीफार्म बैक्टीरिया मिला है।

आंगनबाड़ी केदो पर बनी रंगोली जलाएं दीप वोटो को किया जागरूक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोपालगंज (बिहार)- विधानसभा चुनाव में मतदाता जागरूकता को लेकर डीएम श्री पवन कुमार सिन्हा के निर्देश पर स्वीप कोषांग की ओर से लगातार जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है. अभियान में आंगनबाड़ी सेविकाएं भी बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रही हैं. बुधवार को समेकित बाल विकास परियोजना के निर्देश पर जिले भर के आंगनबाड़ी केंद्रों में रंगोली तथा दीपोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया था. थावे प्रखंड क्षेत्र के लगभग सभी आंगनबाड़ी केन्द्रों पर यह दीपोत्सव कार्यक्रम आयोजित हुआ।

आंगनबाड़ी सेविका और सहायिकाओं ने मिलकर आंगनबाड़ी केंद्र को सजाया, रंगोली बनाई तथा दीप जलाए. दीप से छह नवंबर की आकृति भी बनाई. पोषक क्षेत्र के पुरुष व महिलाओं को आमंत्रित करके उन्हें मतदाता शपथ भी दिलाया. अभिभावकों से अपील करते हुए कहा कि जागरूक मतदाता बने और 6 नवंबर को अपने मतदान केंद्र पर जाकर वोट जरूर करें. प्रखंड बाल विकास परियोजना पदाधिकारी ने बताया की मतदाता जागरूकता से जुड़े कार्यक्रम आगे भी चलते रहेंगे।

जल के लिए परेशान जनता, जल बोर्ड ले रहा अग्नि परीक्षा, दिल्ली जल मंत्री जागते रहो

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली पटेल नगर एक तरफ जहां देश ही नहीं दुनियां ने पानी से हो रही तबाही को देखा और अभी भी कहीं कहीं देख ही रहा है वहीं दिल्ली के पटेल नगर विधानसभा की जनता पानी की एक एक बूंद के लिए जल बोर्ड के चक्कर लगाती और खुद को जल बोर्ड कर्मियों द्वारा जलील होते देख रही है।विधान सभा पटेल नगर के प्रतिष्ठित समाज सेवक एस के चौबे ने बताया कि पटेल नगर विधान सभा के अंतर्गत वार्ड 85 का लगभग 85% क्षेत्र और वार्ड 88 का लगभग 20% क्षेत्र की भौगोलिय स्थिति ऐसी है जो ऊंचाई पर पहाड़ी पर बसी हुई है जहां नेताओं की उदासीनता के कारण नल से जल आज तक नहीं दिया गया और यहां के लोग टैंकर से पानी भरने को मजबूर बनाए हो गए। यह क्षेत्र है गायत्री कॉलोनी, गुलशन चौक, नेपाली मंदिर, आंबेडकर पार्क, गुंबद के आस पास का एरिया, होली चौक, जोगी बस्ती, भील बस्ती, शिव मंदिर, राजीव चौक और झंडेवालान चौक यहां के सब लोग टैंकर से ही पानी भरने पर आश्रित है। यहां पर रहने वालों की संख्या लगभग 30 हजार से अधिक बताई जा रही है आपको बता दें कि चुनाव के समय यहां के लोग अपनी ड्यूटी को छोड़कर हर एक वोटर अपना वोट करने जाता है और अपने प्रश्नदीदा उम्मीदवार को खूब भर भर कर वोट करता है बस इस आशा में कि सबकी झुग्गी झोपड़ी बची रहे और इनको समय से पानी मिल जाय लेकिन चुनाव जैसे ही खत्म होता है यहां के लोगों को फिर धक्के खाने के लिए छोड़ दिया जाता है।इस समय की यह दशा है कि लोगों को टैंकर से भी पानी नहीं मिल पा रहा है कारण बताया जा रहा है कि जल बोर्ड ने 10-12 टैंकर को हटा दिया है जबकि जल बोर्ड को भली भांति पता है कि टैंकर की कितनी आवश्यकता है यहां पर उसके बाद भी टैंकर नेताओं के इशारे पर जनता को परेशान करने के लिए नेताओं के साजिश का हिस्सा बनकर जनता को परेशान कर रही है। अगर जल बोर्ड को टैंकर हटाना ही था तो पहले दूसरे टैंकर की व्यवस्था की क्यों नहीं बिना गाड़ी की व्यवस्था किए चलती हुई गाड़ी को बंद क्यों किया? अगर जल बोर्ड अपने इस तरह के कुकृत्यो से बाज नहीं आती है तो इसके लिए इनके कुकृत्यो का उजागर करने के लिए हम बाध्य होंगे। पिछली सरकार में जहां कुछ कम लोग परेशान हुए थे वहीं इस सरकार ने तो प्यासे ही मारने की रचना बना डाली है जनता को, लोग मजबूर है पानी खरीद कर नहाने धोने

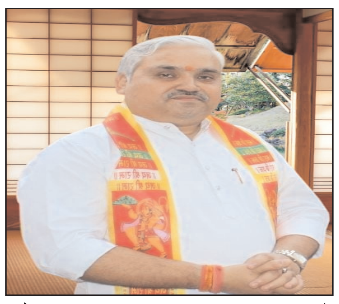

और पानी पीने के लिए जो ठीक नहीं है जबकि प्रदेश की मुखिया एक महिला है और एक महिला को पानी की कीमत अच्छे से पता होती है।सुनने में यह भी आ रहा है कि जनता द्वारा चुने गए विधायक की भी जल बोर्ड नहीं सुन रहा है। इसमें दो बात हो सकती है एक या तो विधायक अपने ताकत को नहीं दिखाना चाह रहे है या फिर विधायक भी अब मजबूर हो गए है जबकि इतने कमजोर विधायक है नहीं।अगर क्षेत्र की जनता के समस्या का निदान अतिशीघ्र दीपावली से पहले किया नहीं गया तो इसका विरोध जल बोर्ड षड्यंत्रकारों को झेलना पड़ेगा। जल बोर्ड के हित के लिए अच्छा होगा कि जल बोर्ड दीपावली और छठ पर्व के पर्व को देखते हुए गाड़ियों को संख्या शीघ्र ही बढ़ाए क्योंकि आने वाले दोनों पर्वो में पानी की अधिक आवश्यकता होती है।

बंधकों की लाश पर खड़े किए हाथ, क्या बोला हमास, नेतन्याहू की चेतावनी

● **रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि इसके अलावा, गाजा के एक अस्पताल ने कहा कि उसे इज़राइल द्वारा सौंपे गए 45 फ़िलिस्तीनियों के अवशेष मिले हैं। ज़राइली प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने बुधवार को माँग की थी कि हमास बंधकों के शवों की वापसी के बारे में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा पेश किए गए युद्धविराम समझौते में निर्धारित शर्तों को पूरा करे।**

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

इजरायली सेना ने बुधवार को दावा किया कि युद्ध विराम समझौते के तहत मंगलवार को हमास द्वारा सौंपे गए शवों में से एक शव गाजा में बंधक बनाए गए किसी व्यक्ति का नहीं है। नाजुक युद्धविराम पर दबाव कम करने के लिए हमास ने मंगलवार को चार शव सौंपे, इससे पहले सोमवार को चार शव सौंपे गए थे, जब आखिरी 20 जीवित बंधकों को रिहा किया गया था। कुल मिलाकर, इज़राइल 28 मृत बंधकों के शवों की वापसी का इंतज़ार कर रहा था। चार शवों की रात भर की फोरेंसिक जांच के बाद, इज़रायली सेना ने कहा कि चिकित्सा अधिकारियों ने निष्कर्ष निकाला है कि उनमें से एक शव ÷किसी भी बंधक से मेल नहीं खाता है। इजरायली सेना ने चेतावनी दी हमास को मृत बंधकों को वापस लाने के लिए सभी आवश्यक प्रयास करने होंगे। समाचार एजेंसी एएफपी की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा मध्यस्थता में किए गए युद्ध विराम समझौते के तहत, हमास ने 20 जीवित इजरायली बंधकों और आठ शवों को वापस सौंप दिया है, जिनमें एक नेपाली, छह इजरायली और आठवां अज्ञात व्यक्ति शामिल है।

रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि इसके अलावा, गाजा के एक अस्पताल ने कहा कि उसे इज़राइल द्वारा सौंपे गए 45 फ़िलिस्तीनियों के अवशेष मिले हैं। ज़राइली प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने बुधवार को माँग की थी कि हमास बंधकों के शवों की वापसी के बारे में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा पेश किए गए युद्धविराम समझौते में निर्धारित शर्तों को पूरा करे। उन्होंने कहा कि गम इस पर कोई समझौता नहीं करेंगे और अपने प्रयास तब तक नहीं रोकेंगे जब तक कि हम अंतिम मृतक बंधक को वापस नहीं लौटा देते। अमेरिका द्वारा प्रस्तावित युद्धविराम योजना में सभी जीवित और मृत बंधकों को सोमवार को समाप्त हो रही समय सीमा तक सौंपने का आह्वान किया गया था। लेकिन समझौते के तहत, अगर ऐसा नहीं होता है, तो हमास को मृत बंधकों के बारे में जानकारी साझा करनी होगी और जल्द से जल्द सभी को सौंपने का प्रयास करना होगा।

दीप प्रज्ज्वलन कर कुचायकोट में जीविका दीदियों ने किया मतदाता जागरूकता

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोपालगंज-कुचायकोट- गोपालगंज जिले में बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर स्वीप (SVEEP) कार्यक्रम के तहत मतदाता जागरूकता अभियान को गति देने के लिए कुचायकोट के सम्मेलन जीविका महिला ग्राम संगठन से जुड़ी जीविका दीदियों और कर्मियों ने एक अनूठी पहल की। उन्होंने दीप प्रज्ज्वलन कर मतदान के महत्व का संदेश दिया। इस अवसर पर, जीविका दीदियों ने सामूहिक रूप से दीप जलाए, जो ज्ञान, प्रकाश और लोकतंत्र में भागीदारी का प्रतीक थे। दीपों की रोशनी में, उन्होंने मतदाताओं को यह संदेश दिया कि जिस प्रकार एक छोटा-सा दीपक अंधेरे को दूर करता है, उसी प्रकार उनका एक-एक वोट भी मजबूत लोकतंत्र और बेहतर भविष्य के लिए रास्ता रोशन कर सकता है।

प्रमुख संदेश- दीदियों ने इस दौरान 'पहले मतदान, फिर जलपान' और 'मेरा वोट, मेरा अधिकार' जैसे नारे लगाए।

उद्देश्य- इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विशेष रूप से महिलाओं और नए मतदाताओं को शत-प्रतिशत मतदान के लिए प्रेरित करना था, ताकि वे बिना किसी भय या प्रलोभन के अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकें।

इस रचनात्मक और प्रतीकात्मक कार्यक्रम में जीविका दीदियों के साथ प्रखंड स्तरीय पदाधिकारी भी मौजूद रहे, जिन्होंने सभी को मतदान के लिए प्रेरित करने का संकल्प दिलाया। जीविका दीदियों का यह अभियान गाँवों में घर-घर जाकर संवाद स्थापित करने, रैली निकालने और रंगोली बनाने जैसे अन्य जागरूकता कार्यक्रमों के साथ लगातार जारी है।

बलिया में हाईटेंशन तार की चपेट में शिक्षक की मौत

बलिया में नरहीं थाना क्षेत्र के भरौली में मंगलवार को एक शिक्षक की हाईटेंशन तार की चपेट में आने से मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने उन्हें अस्पताल पहुंचाया, लेकिन तब तक उनकी जान जा चुकी थी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मामले की जानकारी ली। मृतक की पहचान बिहार के बक्सर जिले के सिमरी थाना क्षेत्र के महरौली निवासी मनीष कुमार सिंह के रूप में हुई है। मनीष भरौली स्थित एक निजी विद्यालय में शिक्षक के पद पर कार्यरत थे। जानकारी के अनुसार, मनीष कुमार सिंह प्रतिदिन की तरह मंगलवार को भी विद्यालय पहुंचे थे। दोपहर करीब 3 बजे छुट्टी के बाद जब वे घर जाने के लिए विद्यालय से बाहर निकले, तभी सामने से गुजर रहा हाईटेंशन तार अचानक टूटकर उनके ऊपर गिर गया। तार की चपेट में आते ही मनीष कुमार सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए और मौके पर ही दम तोड़ दिया। आसपास मौजूद लोग जब तक कुछ समझ पाते, तब तक बहुत देर हो चुकी थी। सूचना मिलने पर पुलिस भी घटनास्थल पर पहुंची और प्रत्यक्षदर्शियों से पूछताछ की। मनीष कुमार सिंह के परिवार में उनकी 10 साल की बेटी और 6 साल का बेटा है। अगले महीने उनके भतीजे की शादी होने वाली थी। इस दुखद घटना के बाद से पूरे परिवार में मातम पसरा हुआ है।

नगर पालिका पर कर्मचारियों का धरना-8 मांगों को लेकर प्रदर्शन, मांगे पूरी न होने पर उग्र आंदोलन की चेतावनी

● **बलिया नगर पालिका परिषद कार्यालय प्रांगण में धरना प्रदर्शन हुआ।**

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बलिया नगर पालिका परिषद कार्यालय प्रांगण में बुधवार को स्वायत्तशासी शासन कर्मचारी संगठन ने अपनी आठ सूत्रीय मांगों के समर्थन में धरना प्रदर्शन किया। संगठन के जिलाध्यक्ष भारत भूषण मिश्रा ने कर्मचारियों की समस्याओं पर प्रकाश डाला। मिश्रा ने बताया कि उनकी प्रमुख मांगों में कर्मचारियों का तीन वर्ष का एनपीएस (NPS) जमा कराना और ददरी मेला 2022-2023 तथा 2023-2024 का मानदेय भुगतान शामिल है। इसके अतिरिक्त, चार कर्मचारियों का बकाया वेतन तुरंत देने की भी मांग की गई।

कर्मचारियों के स्थान पर अधिसंख्य पद के कर्मचारियों का समायोजन करने की मांग की। सेवानिवृत्त कर्मचारियों का सातवें वेतन

आयोग की सिफारिशों के आधार पर वेतन निर्धारण कर उनकी पेंशन पत्रावलियों को एडी (AD) के समक्ष पुनरीक्षण के लिए भेजने पर भी जोर दिया गया।

कर्मचारियों के अकारण वेतन काटने पर रोक लगाने, सभी कर्मचारियों को हर हाल में 1 से 3 तारीख तक वेतन, पीएफ (PF) और पेंशन का भुगतान सुनिश्चित करने की मांग भी उठाई गई। साथ ही, कार्यरत अधिशासी अधिकारी द्वारा सभी कर्मचारियों की सर्विस बुक का सत्यापन कर हस्ताक्षर करने की बात कही गई। संगठन ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों को तत्काल नहीं माना गया, तो प्रदर्शन जारी रहेगा।

उप्र- महोबा में दुकानदार की गोली मारकर हत्या

बांदा से सटे महोबा जिले के चरखारी कोतवाली क्षेत्र में मोबाइल फोन की दुकान संचालित करने वाले एक व्यक्ति की किसी अज्ञात बदमाश ने गोली मारकर हत्या कर दी। महोबा जिले की अपर पुलिस अधीक्षक (एएसपी) वंदना सिंह ने बुधवार को बताया कि चरखारी कोतवाली क्षेत्र में मंगलवार की देर शाम करीब साढ़े सात बजे नौसारा गांव के नजदीक दुकानदार राजकुमार अहिरवार (28) को किसी बदमाश ने गोली मारकर घायल कर दिया। घटना की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल को अस्पताल पहुंचाया। बाद में उसे झांसी मेडिकल कॉलेज ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान देर रात उसकी मौत हो गयी। एएसपी ने बताया कि चरखारी कस्बे से मोबाइल की दुकान बंद कर राजकुमार अपने एक साथी प्रमोद के साथ मोटरसाइकिल से अपने घर जा रहा था तभी नौसारा गांव से पहले उसे गोली मार दी गई। उन्होंने कहा, अब तक की जांच में लूट होने के साक्ष्य नहीं मिले हैं। हम झांसी मेडिकल कॉलेज से पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के आने का इंतजार कर रहे हैं। घटना की जांच के लिए पुलिस की तीन टीमें गठित की गई हैं।

बलिया मेंआयजित कार्यक्रम में यूपी के 1.86 करोड़ परिवारों को उज्ज्वला योजना में सब्सिडी-लाभार्थियों को त्योहारों पर मिलेगा मुफ्त सिलेंडर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत उत्तर प्रदेश के 1.86 करोड़ पात्र परिवारों को गैस सिलेंडर रिफिल पर सब्सिडी प्रदान करने के लिए 1500 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं। बलिया कलेक्ट्रेट सभागार में बुधवार को जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह और जिलाध्यक्ष संजय मिश्रा की उपस्थिति में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान लखनऊ से मुख्यमंत्री के मुख्य कार्यक्रम का सीधा प्रसारण भी दिखाया गया।

योजना के अंतर्गत, अक्टूबर, नवंबर और दिसंबर महीने में प्रत्येक गरीब परिवार को एक-एक मुफ्त गैस सिलेंडर दिया जा रहा है। सब्सिडी की धनराशि सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में भेजी जा रही है। इसके अतिरिक्त, उत्तर प्रदेश सरकार जनवरी, फरवरी और मार्च 2026 में होली पर्व को ध्यान में रखते हुए

सभी पात्र महिलाओं को एक-एक सिलेंडर प्रदान करेगी। जिलाधिकारी ने बताया कि यह योजना महिलाओं के लिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि इससे उन्हें चूल्हे पर खाना बनाने से होने वाली स्वास्थ्य संबंधी कठिनाइयों से राहत मिली है। बलिया जिले में इस योजना से 2.43 लाख लाभार्थियों को लाभ मिलेगा, जिससे आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग की महिलाओं को बड़ी सहायता मिलेगी।

कार्यक्रम के दौरान जिलाधिकारी ने उज्ज्वला योजना की 10 लाभार्थियों को प्रतीकात्मक चेक भी प्रदान किए। इनमें गुड़िया देवी, शिवकुमारी देवी, गुंजन यादव, पूजा देवी, कंचन देवी, गीता, संगीता, कोशिला देवी, सुमित्रा देवी और अफसाना शामिल थीं। इस अवसर पर एडीएम अनिल कुमार, जिला पूर्ति अधिकारी सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

बलिया में शिक्षा विभाग के बाबूओं ने BSA कार्यालय पर धरना संग दिया अल्टीमेट

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बलिया- यूपी एजुकेशनल मिनिस्टीरियल ऑफिसर्स एसोसिएशन उत्तर प्रदेश के आह्वान पर जनपद के समस्त शिक्षा विभाग के लिपिक, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय पर शिक्षा निदेशालय स्तर पर लम्बित 19 सूत्रीय एवं शासन स्तर पर लम्बित 17 सुत्रीय मांगों को लेकर धरना प्रदर्शन किया। साथ ही महानिदेशक स्कूल शिक्षा, शिक्षा निदेशक (माध्यमिक/बेसिक) उत्तर प्रदेश लखनऊ तथा अपर शिक्षा निदेशक (बेसिक) उत्तर प्रदेश प्रयागराज को सम्बोधित ज्ञापन बीएसए को सौंपा।

ज्ञापन के माध्यम से चेतावनी दी गयी कि उक्त मांगों एवं समस्याओं का निस्तारण नहीं किया गया तो प्रान्तीय आह्वान पर 30 अक्टूबर को प्रदेश के समस्त जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय, 12 नवम्बर को जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, 27 नवम्बर को प्रदेश के मण्डलीय सहायक

शिक्षा निदेशक (बेसिक), 10 दिसम्बर को संयुक्त शिक्षा निदेशक, 23 दिसम्बर को अपर शिक्षा निदेशक बेसिक उत्तर प्रदेश प्रयागराज, 16 जनवरी 2026 को शिक्षा निदेशक (बेसिक) उत्तर प्रदेश, 29 जनवरी 2026 को शिक्षा निदेशक (माध्यमिक) लखनऊ तथा 10 फरवरी 2026 को महानिदेशक स्कूल शिक्षा लखनऊ के कार्यालय पर धरना दिया जाएगा।

फिर भी समस्याओं का समाधान नहीं किया गया तो 25 फरवरी 2026 से महानिदेशक स्कूल शिक्षा लखनऊ के कार्यालय पर अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन प्रारंभ किया जाएगा। ज्ञापन देने वालों में वेद प्रकाश पाण्डेय, अब्बाशी, अक्षय श्रीवास्तव, बृजेश सिंह, विजय शंकर, इंदु, आलोक, संजय यादव, संदीप श्रीवास्तव, अजय सिंह, मंबोध सिंह, राजेश कुमार, आशुतोष गुप्ता, अभिषेक सिंह, मुहम्मद खालिद, खड्ग बहादुर आदि शामिल रहे।